दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 155
मुरादाबाद
(Friday)
26 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की वृंदावन यात्रा, परिवार संग किए बांके बिहारी मंदिर दर्शन

वृंदावन पहुंचकर राष्ट्रपति सबसे पहले ठाकुर बांके बिहारी मंदिर गईं। वहां उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की और भगवान के चरणों में माथा टेका।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार की सुबह विशेष ट्रेन से वृंदावन पहुंची। राष्ट्रपति दिल्ली से सुबह आठ बजे रवाना हुईं। तकरीबन दस बजे वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर उतरीं। ट्रेन के 18 कोचों में से 12 कोच सिर्फ राष्ट्रपति और उनके स्टाफ के लिए आरक्षित किए गए थे। इनमें प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्टोरेंट, लाउंज और पावर कार शामिल थे। स्टेशन पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने किया स्वागत- स्टेशन पर राष्ट्रपति का स्वागत प्रदेश सरकार के गन्ना विकास और चीनी उद्योग मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, मथुरा के मेयर विनोद अग्रवाल और एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने किया। वे मथुरा में सात घंटे के दौरे पर आयीं हैं। इस दौरान वे कई मंदिरों के दर्शन करने के साथ पूजा अर्चना करेंगी।

इसके अलावा वे कई धार्मिक स्थलों का दर्शन भी करेंगीं। वृंदावन पहुंचकर राष्ट्रपति सबसे पहले ठाकुर बांके बिहारी मंदिर गईं। वहां उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की और भगवान के चरणों में माथा टेका। बांके बिहारी मंदिर के गोस्वामी परिवार की ओर से पूजा संपन्न कराई गई।

राष्ट्रपति मंदिर में करीब आधे घंटे तक रहीं। उन्होंने ठाकुर जी के लिए भेंट स्वरूप लिफाफा अर्पित किया। मंदिर मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रपति का आगमन वृंदावन के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने परिवार के साथ दर्शन कर श्री बांके बिहारी जी का आशीर्वाद लिया। कन्नौज से मंगाए गए इत्र से की पूजा- मंदिर मैनेजमेंट कमेटी ने उनके स्वागत के लिए विशेष इंतजामात किए। बांके बिहारी मंदिर में राष्ट्रपति ने कन्नौज से मंगाए गए खास इत्र से पूजा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। पुलिस-प्रशासन राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर मुस्तैद नजर आया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि यह वृंदावन और मथुरा के लिए गर्व की बात भी है। राष्ट्रपति ने जिस श्रद्धा और सादगी से भगवान बांके बिहारी और निधिवन की परिक्रमा की। वह प्रेरणादायी है।निधिवन में पूजा कर लगाई परिक्रमा- बांके बिहारी मंदिर के बाद राष्ट्रपति निधिवन पहुंचीं। यहां उन्होंने वृक्षों की पूजा की और पांच सौ मीटर की परिक्रमा लगाई। निधिवन में वह आधे घंटे तक रहीं और बिहारी जी की प्राकट्य स्थली, रंग महल, रास मंडल, बंशी चोरी राधा रानी और स्वामी हरिदास जी के समाधि स्थल पर जाकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने वृंदावन की संस्कृति और धार्मिक महत्व को भी जाना। राष्ट्रपति का यह दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक है। वे श्रीकृष्ण जन्मस्थान जाने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति होंगी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने यहां दर्शन किए थे। राष्ट्रपति मुर्मू का पूरा कार्यक्रम धार्मिक स्थलों के दर्शन के इर्द-गिर्द केंद्रित रही।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा कितना भी झूठ बोले, हम पिछड़े वर्गों को पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पबद्ध, राहुल गांधी का बयान

कांग्रेस नेता राहुल गांदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों को पूरा हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे भाजपा कितना भी झूठ फैलाए और ध्यान भटकाने की साजिश करे। उन्होंने कहा। उन्होंने %अति पिछड़ा न्याय संकल्प% के तहत शिक्षा, आरक्षण और जमीन जैसे मुद्दों पर वंचित समुदायों के लिए कई ठोस वादे किए।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे कितना भी झूठ और भ्रम फैलाए, महागठबंधन अति पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समुदायों को पूरा अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी का यह बयान तब आया है, जब एक दिन पहले बिहार में विपक्षी गठबंधन ने अति पिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी किया है। बिहार के प्रभावशाली अति पिछड़ा वर्ग से वादा किया कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की तर्ज पर एक नया कानून बनाकर अत्याचारों से सुरक्षा दी जाएगी। यह ईबीसी आउटरीच पहल ऐसे समय में शुरू की गई है, जब कुछ ही दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव का एलान हो सकता है। पटना में अति पिछड़ा न्याय संकल्प नाम से कार्यक्रम हुआ था। जिसमें कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के अन्य नेता भी शामिल हुए।

अखिलेश यादव बोले- जाति हमारा इमोशनल कनेक्ट... पीडीए की एकता से घबरा रही है भाजपा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए को सपा पर भरोसा है। इससे भाजपा घबरा गई है। हमें जाति के आधार पर ही आरक्षण मिला हुआ है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जाति हमारा इमोशनल कनेक्ट है। पिछड़ों को जाति के आधार पर आरक्षण दिया गया है। मंडल कमीशन की प्रस्तावना में ये बात आई कि हम जाति के आधार पर पिछड़े हैं तो हमें आरक्षण मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की एकता से घबरा गई है। जबसे हमने अलग-अलग विभागों में पीडीए की तैनाती के आंकड़े जारी किए हैं तब से भाजपा घबरा गई और लोगों को अपमानित कर रही है। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे जिसमें उन्होंने योगी सरकार के आदेश कि एफआईआर, अरेस्ट वारंट या किसी भी दस्तावेज पर जाति नहीं लिखी जाएगी के आदेश पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हरिजन एक्ट तो जाति पर ही बना है। जिन लोगों ने गंगाजल से मकान को धुलवाया उन पर कार्रवाई हुई क्या? मैं जिस मंदिर में गया था उसके पंडित के मना करने पर भी भाजपा के लोगों ने मंदिर को धुलवाया। उन्हें बताना चाहिए कि ऐसा क्यों किया? पीडीए को अब समाजवादी पार्टी पर भरोसा है।भाजपा ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े- अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में भाजपा ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। विधायक मंच से बोल रहे हैं कि 10 प्रतिशत कमीशन है उस पर बोलेंगे नहीं और हमें क्रीम, पाउडर और शैंपू में उलझा रहे हैं। हम भी बाजार जाएंगे। कहा कि जो लोग ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं उन्हीं से बात की जा रही है। अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले सुधीर चौहान, पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, विद्यासागर और लालजी भारती (बसपा से आए हैं) का स्वागत किया। किसानों के साथ अन्याय की कीमत पर विकास का समर्थन नहीं करते- अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग षडयंत्र करते हैं और किसानों से उनकी जमीन जबरदस्ती ले लेते हैं। किसानों से धोखा करने का रास्ता विकास का रास्ता नहीं हो सकता है। ये लोग जो कानून हैं उन कानून की परवाह ना कर करके, दबाव बनाकर, झूठे मुकदमें लगाकर, जमीन छीनने का काम करते हैं और ये सिलसिला चल रहा है। हम लोग इसका विरोध करते हैं और जब हमारी सरकार आएगी तो किसानों को सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा दिया जाएगा। किसानों के साथ अन्याय की कीमत पर विकास को सही नहीं ठहराया जा सकता।

पहले 1,000 की शर्ट पर 117 रुपये टैक्स लगता, GST लागू होने के बाद... ट्रेड शो में बोले पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन किया। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज से आगाज हो गया है। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।सीएम योगी और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी-2025 में कहा, आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया। अंत्योदय का अर्थ है, सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान, सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास पहुंचना, सभी भेदभाव समाप्त हो, यही अंत्योदय है, और अंत्योदय में ही सामाजिक न्याय को बल मिलता है। आज भारत विकास के इसी मॉडल को दुनिया को दे रहा है। मुझे खुशी है कि 2,200 से ज्यादा प्रदर्शक यहां अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस व्यापार मेले का कंट्री पार्टनर रूस है, यानी इस व्यापार मेले में हम एक समय-परीक्षित साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूं।%पीएम मोदी ने कहा, %आज सरकार मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग पर इतना जोर दे रही है। हम चिप से लेकर जहाज तक, सब कुछ भारत में बनाना चाहते हैं, इसलिए हम आपके व्यापार में आसानी के लिए काम कर रहे हैं। सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन सरकार की कुछ अपेक्षाएं भी हैं कि आप जो भी निर्माण कर रहे हैं, वह सर्वोत्तम गुणवत्ता का हो। आज देशवासियों के मन में ये बात है कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हो, इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।%पीएम ने कहा, %आज पूरे भारत में जितने मोबाइल फोन बनते हैं, उसमें से 55त्न मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनते हैं। यूपी अब सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा। यहां से कुछ किलोमीटर दूर ही एक बड़ी सेमीकंडक्टर फैसिलिटी पर काम शुरू होने वाला है। भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। हर वो उत्पाद जो हम भारत में बना सकते हैं, वो हमें भारत में बनाना है। पीएम मोदी ने कहा, हमारी सेनाएं स्वदेशी चाहती हैं और दूसरों पर निर्भरता को कम करना चाहती हैं। इसलिए हम भारत में ही एक वाइब्रेंट डिफेंस सिस्टम विकसित कर रहे हैं, पुर्जे-पुर्जे पर मेड इन इंडिया की छाप हो, हम ऐसा एक इकोसिस्टम बना रहे हैं, और यूपी इसमें भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। आज, भारत रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म की प्रतिबद्धता के साथ अपने उद्योग, व्यापारियों और नागरिकों के साथ खड़ा है। तीन दिन पहले जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लागू हुए। जीएसटी में ये बदलाव संरचनात्मक सुधार हैं जो भारत की विकास गाथा को नई उड़ान देंगे। ये जीएसटी पंजीकरण को सरल बनाएंगे, कर विवादों को कम करेंगे और एमएसएमई को तेजी से रिफंड सुनिश्चित करेंगे% पीएम मोदी ने कहा, %मैं आप सभी का आह्वान करता हूं, यूपी में निवेश कीजिए, यूपी में मैन्युफैक्चर कीजिए। यहां लाखों स्वस्थ्य का मजबूत नेटवर्क है, उनका सामर्थ्य इस्तेमाल कीजिए और एक कंप्लीट प्रोडक्ट यहीं तैयार कीजिए। इसके लिए हर मदद के साथ यूपी सरकार और भारत सरकार आपके साथ है। पीएम मोदी ने कहा, %2014 से पहले इतने सारे टैक्स थे कि बिजनेस की कॉस्ट और परिवार का बजट कभी संतुलित नहीं हो पाते थे। इसे संतुलित करना मुश्किल था।

सांसद चंद्रशेखर को मेरठ जाने से रोका, घर से लेकर रास्ते तक छावनी में तब्दील, चकमा देकर निकले

आसपा के राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद जेल भेजा गया था। चंद्रशेखर उनसे मिलने मेरठ जेल जा रहे थे, तभी उन्हें रोक लिया गया। सांसद का कहना है कि वह हर हाल में मेरठ जाएंगे। करीब एक घंटे बाद वे चकमा देकर मेरठ चले गए। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के मेरठ जाने की सूचना से हड़कंप मच गया। एसपी देहात सागर जैन और कई थानों की पुलिस उनके आवास पर पहुंची। एलआईयू के अधिकारी भी डेरा डालकर पल-पल की खबर ले रहे हैं। पुलिस ने चंद्रशेखर को रोक लिया,

मगर वे बाद में पुलिस को चकमा देकर मेरठ जेल पहुंच गएदो दिन पहले आसपा के राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी को मेरठ के दादरी मंडोरा क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया था। सांसद चंद्रशेखर आजाद बृहस्पतिवार को भाटी से मिलने मेरठ जेल जाने वाले थे। आजाद समाज पार्टी ने अपने फेसबुक पेज पर इसकी पोस्ट की थी। आधी रात के बाद से ही फतेहपुर पुलिस ने सांसद के हरिजन कालोनी स्थित आवास के बाहर डेरा डाल दिया था। बृहस्पतिवार सुबह बिहारीगढ़ और नागल थानाध्यक्ष के हां भी पुलिस फोर्स पहुंच गई। इसके बाद एसपी देहात सागर जैन ने छुटमलपुर पहुंचकर सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ बात की। कुछ देर वार्ता करने के बाद वह वापस लौट गए। इसके बाद अचानक से यहां से पुलिस हटा ली गई। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हिरासत में लेने से वह डरने वाले नहीं हैं, हर सूरत में मेरठ जाएंगे। इसी बीच सांसद आवास पर पुलिस के जमावड़े की खबर मिलने पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी जुट गए। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन, आसपा के जिलाध्यक्ष सचिन खुराना, भीम आर्मी के पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित राज गौतम, काशी मौर्य, विधिक सलाहकार संदीप कांबोज, प्रदेश सचिव सचिन एडवोकेट आदि मौजूद रहे। एसपी देहात सागर जैन का कहना है कि सांसद को हिरासत में नहीं लिया गया। पुलिस केवल सांसद से उनके कार्यक्रम के बारे में जानने गई थी। पहुंच गए मेरठ जेल- सांसद चंद्रशेखर इसके करीब एक घंटे बार पुलिस को चकमा देकर रवाना हो गए और मेरठ जेल पहुंच गए।

संपादकीय Editorial

The Journey of the OBC Struggle

As the chariot of social justice for the people set off from Kangra to Dharamshala, the heat of OBC ambitions brought the symptoms of the reservation malaise to the fore. The issue of OBC reservation, which had been ignited in the national political arena over constitutional issues, reached its first stop in Himachal. The atmosphere, agitated nearly three and a half decades ago by the Mandal Commission's recommendations, was rekindled, not by chance but by a long story of a community being ignored. The 27 issues and requests for reservation were rendered incurable, so it must be understood that when those gathered on Saturday, the flags of inequality were in the air, defying the winds. The slogans represented not just a fight for rights, but a new beginning in the state's politics. For some time now, the demand for tribal status for the Giripar region has become more pressing, and a wave of advocacy has been registered. Previously, the Gaddi community of Kangra had been included in the tribal rights category. So why was the OBC community left behind, directly influencing voting in Kangra, Hamirpur, Una, and several other districts? The anger expressed in Saturday's rally now fully underscored the democratic, social, economic, and political rights of the OBC community in advocating for their existence beyond the confines of the field. The OBC community's advocacy has changed, and the need for this campaign has changed. Now, it has come to the forefront as an educated, aware, and vibrant community. Thirty-five years ago, this movement was proving its inflammability, but now it expresses intentions, energy, purpose, and clarity. This was also an example of OBC unity in Himachal, where a young face was on the banner and a well-defined strategy was included in the objective. Needless to say, the momentum generated in the OBC movement here has been recognized as nationally significant. The OBC community has honed its struggle points and is once again advocating for the 93rd Amendment to the Constitution. OBCs demand a 27 percent reservation and a new political upswing. This threat also looms large for those OBC leaders who have failed to lead their community in the pursuit of power. Over the past few years, OBC political leadership has failed to achieve its share of influence, and the marginalized have been concentrated around Ramesh Dhawaala, Sarveen Chaudhary, and currently, Prof. Chandra Kumar. The OBC community has directly pointed out the indifference in the allocation of various welfare schemes and has advocated for the community's presence to be reflected in the state's economic resources. Here, the scales of reservation are clashing with the scales of neglect. In contrast to the social upliftment that the Scheduled Castes and Scheduled Tribes have received, the OBC identity has found neither ground nor sky. This is a complaint not only in education but also in employment applications. There's a complaint that if tribal hostels are being built in educational institutions, when will hostels for OBC children be built? Clearly, OBCs now want to be established and certified with their rights everywhere, which is why many symbolic demands have been raised. For example, fed up with the incomplete vision of Chaudhary Hariram Park in Mataur or the OBC Bhawan in Pasu, the community is now calling for a caste-based vote count. A series of demands and a massive campaign of struggle resonated in Dharamshala. OBCs have identified certain constituencies for political use, and this movement, by shaping future politics, has also challenged the empires of many leaders. It was a matter of a home, but where the breach occurred.

New opportunities lie hidden in this new crisis; we must maintain the availability of technically skilled people.

Certainly, there is an opportunity for Indians working in the US to return and contribute to the country with their skills and ideas. This will also accelerate the 'Atmanirbhar Bharat' campaign. To turn the crisis of high fees imposed by Trump into an opportunity, we must also pay attention to several other factors. US President Donald Trump has increased the H-1B visa fee to $100,000, or approximately Rs 8.8 million. However, this new rule will only apply to new visa applicants. There is no annual fee. Those who already hold H-1B visas and are currently outside the US will not be charged a re-entry fee. Trump has defended this decision as a measure to protect American jobs, arguing that outsourcing companies have used the program to replace American workers with cheaper foreign workers. Meanwhile, several US lawmakers and community leaders have called Trump's decision unfortunate and pointless, saying it will have a profound negative impact on the American IT industry. It deprives the US of highly skilled workers. The US issues 65,000 H-1B visas and 20,000 additional visas each year. Approximately 70 percent of these visas are granted to Indians. Thousands of employees at companies like Amazon, Microsoft, and Meta employ H-1B workers. Many Indian companies, such as Infosys, TCS, Wipro, HCL, and Cognizant, also rely heavily on this visa to operate in the US. Trump's decision will create difficulties for small companies and startups that employ skilled workers. This change in visa fees will also threaten the jobs of Indian IT engineers in the US. While this decision is certainly a disaster for India's IT sector and Indian talent, it could also be an opportunity in many ways. There are chances that high visa fees will force American companies to shift their jobs abroad, to countries like India. If this happens, Trump's policy could prove beneficial for India and other countries rather than the United States. Multinational companies could also establish Global Capability Centers (GCCs) in India, providing greater opportunities for Indian talent. GCCs are a new trend in the job market. They focus on IT support, customer service, finance, HR, and research and development. Due to its high-skilled youth, India is poised to become the world's largest hub for GCCs. Fifty percent of the world's GCCs are located in India alone. Currently, there are 1,700 GCCs in the country, employing over 2 million people. The size of the GCC market in India is estimated at ?5.4 lakh crore (?5.4 lakh crore) and is expected to reach ?8.4 lakh crore (?8.4 lakh crore) by 2030. India's GCCs contribute 1 percent to Indian GDP, and by 2030, this will increase to 3.5 percent. Increasing H-1B visa fees will prevent global talent from moving to the US. This could also reduce innovation there and revitalize Indian innovation. It is expected that the next wave of patents, innovations, and startups will grow rapidly in India. Retaining Indian talent will strengthen India's research and development landscape. India currently ranks 39th in the Global Innovation Index (GII) 2024. According to the World Intellectual Property Indicators Report 2024, India has ranked among the top 10 countries globally for three key intellectual property rights (IP)—patents, trademarks, and industrial designs. Now, US IT companies can outsource more work to Indian companies. This will increase work from India to the US. India will be poised to become a new hub for global outsourcing. A key driver of India's progress in outsourcing over the past several years is the country's robust communications infrastructure. The privatization of the telecommunications industry has led to the emergence of new companies, leading to a significant decline in telecom tariffs. High-quality, prompt service, IT experts, and a large population of young people fluent in English are other reasons why India remains a global leader in outsourcing. There is certainly an opportunity for Indians working in the US to return and contribute to the country with their skills and ideas. This will also accelerate the "Atmanirbhar Bharat" campaign. To turn the crisis of high fees imposed by Trump into an opportunity, we must also focus on several other factors. For example, we must seize the vast new opportunities for outsourcing in the US market, as well as in Europe and the Asia-Pacific region. To do this, we must focus on talent development in India for a bright future for outsourcing. We all know that our leadership in the software industry is primarily due to the affordability of our services and programs. Therefore, to maintain this position, we must maintain the availability of technically skilled personnel.

Ayurveda, the key to holistic health, has become increasingly necessary in modern lifestyles.

People, especially the youth, must understand that the true key to human health lies in Ayurveda, and that happiness for the soul, senses, and mind is possible only through Ayurveda. Ayurveda works to maintain balance between the body, mind, and consciousness, and its need has increased even more in today's modern lifestyle. Fulfilling this need will make Ayurveda Day meaningful. Ayurveda, described in the Atharva Veda, is the science that provides knowledge of life. Every person who desires a healthy and happy life should learn and adopt Ayurveda, because Ayurveda not only emphasizes keeping humans healthy but also preaches the importance of living a healthy and balanced life. Ayurveda is unique because, in addition to curing physical ailments, it also addresses mental disorders. Therefore, yoga and meditation are also part of Ayurveda. It is believed that Ayurveda was propounded by Lord Brahma himself, Lord Dhanvantari, and after him, by various sages and seers like Sushruta, Charaka, etc., for the welfare of the people. This verse reveals its purpose: "Swasthasya swastha rakshanam aturasya vikara Meaning, the purpose protect the health of the illness of the sick. made up of the five water, and earth. this principle. whether it is the living being, all have five elements exist in doshas, ??metals, and Ayurveda, the three considered to be Vata, balance of these health. While most especially Western on curing ailments of Ayurveda supports of humans in all areas called a holistic system provides for healing

prashamanam cha." of Ayurveda is to the healthy and alleviate The entire universe is elements: space, air, fire, Ayurveda is based on Ayurveda believes that universe or the smallest the same origin. These the body in the form of waste. According to doshas in the body are Pitta, and Kapha. The doshas defines human medical systems, medicine, focus solely the physical body, the holistic development of life. This is why it is of medicine. Ayurveda through basic lifestyle practices like daily routine, seasonal routine, yoga, diet, and the use of harmless fruits, flowers, herbs, minerals, etc. obtained from nature. Ayurveda teaches us how to attain the unattainable, protect the acquired, increase the protected, and abandon the forbidden. This is the fundamental principle for a healthy and happy life. Ayurveda has been an integral part of our culture and lifestyle since its inception in India. However, over time, due to the invaders' tendency to destroy Indian culture and the mentality of slavery, Ayurveda declined. Subsequently, during the British rule, attempts were made to eliminate Ayurveda, and Western medicine was given priority, deeming it ineffective. To discredit Ayurveda, Ayurvedic doctors and vaidyas were labeled quacks, meaning fake doctors. During the COVID pandemic, Ayurvedic medicines proved extremely beneficial in neutralizing the effects of the coronavirus and boosting immunity. This led to a renewed trust and interest in Ayurveda. Currently, the Government of India and its institutions are launching new schemes to promote Ayurveda, as well as efforts to expand the facilities for Ayurvedic medicine, which are also increasing the influence and trust in Ayurveda. Ayurveda is a science based on nature. Therefore, preserving nature is the preservation of Ayurveda. It should be a matter of concern for all of us that the plants and minerals used in Ayurvedic medicines are becoming scarce or their availability is decreasing. Conserving these is a major challenge for Ayurveda. Forest guards and farmers need to be encouraged to cultivate medicinal plants, plants, and trees. This will benefit not only Ayurveda but also villagers and especially farmers. Adherence to standardized regulations to establish the quality of Ayurvedic medicines is also the need of the hour. To increase the credibility of Ayurveda, it is also essential to prioritize the research necessary to ensure the quality of Ayurvedic medicines. This task must be undertaken specifically by institutions associated with Ayurveda. This should be done on a priority basis, as it is the science that provides complete health to humans. The Indian government must also focus on establishing the importance of Ayurveda globally. To secure its future, there is a need to create awareness among youth about it. The Ayurvedic system of medicine is a scientific system. Currently, there are not enough Ayurvedic doctors in our country relative to the population. People, especially youth, must understand that the true key to human health lies in Ayurveda, and that happiness for the soul, senses, and mind is possible only through Ayurveda. Ayurveda works to maintain balance in the body, mind, and consciousness, and its need has increased significantly in today's modern lifestyle. Fulfilling this need will make Ayurveda Day meaningful.

मुरादाबाद ग्राउंड रिपोर्ट: बाजार का खेल... जीएसटी की छूट जमीन पर फेल, दुकानदारों के अपने तर्क, पीस रहे ग्राहक

सरकार ने जीएसटी की नई दरों के बाद कई वस्तुओं के दाम कम होने का दावा किया है। बावजूद ग्राहकों को अभी इसका फायदा नहीं मिल रहा है। अमर उजाला की पड़ताल में दुकानदारों ने बताया कि दैनिक उपयोग की चीजें अब भी पहले जैसी दरों पर बिक रही हैं। सरकार की ओर से जीएसटी की नई दरों के बाद कई वस्तुओं के दाम कम होने का दावा किया जा रहा है, जबकि बाजार में लोगों को उनके दैनिक उपयोग की चीजें अभी घटी दरों पर नहीं मिल रही हैं। अमर उजाला ने बाजार में अलग-अलग उत्पादों के दुकानदारों से बातचीत की तो जमीनी हकीकत दावों से अलग मिली।पुराने रेट पर ही बिक रही दाल, बटर व दूध भी महंगे कटरा बाजार में अमरोहा गेट के पास किराना दुकानदार श्याम बंसल ने पूछने पर लोकल ब्रांड मधुसूदन देशी घी के टिन का दाम 9280 रुपये बताया। जीएसटी की घटी दरों का बात सुनते ही कहते हैं कि सोमवार को 30 रुपये प्रति लीटर घटे थे। मंगलवार को कंपनी ने 20 रुपये प्रति लीटर एमआरपी बढ़ा दिया। लाइनपार में आरके ट्रेडर्स के संचालक राजेश कहते हैं कि अरहर की दाल पहले 90 रुपये किलो थी और अब भी। इसी तरह चीनी का 50 किलो का कट्टा 2150 रुपये का था और अब भी इतने का ही है। अमूल, पराग के दूध का दाम भी कम नहीं हुआ है। दुकानदार संजीव यादव का कहना है कि अभी पुराना स्टॉक है, जब नया माल आएगा को अंतर दिखेगा। फारच्यून रिफाइंड के टिन के दाम महीने भर से 1960 और रविंद्रा तेल के 2517 ही हैं।दवाओं के दाम में भी दुकानदारों की मनमानी एजीथ्रोमाइसिन, डोलो, सिट्राजीन जैसी सामान्य दवाओं के दाम बाजार में कम नहीं हुए हैं। कैंसर व दिल की बीमारियों के दाम भी पुराने ही हैं। साईं अस्पताल के सामने मेडिकल स्टोर संचालक सुधाकर शर्मा बताते हैं कि कंपनियों की ओर से नए एमआरपी जारी करने में अभी समय लगेगा। अभी मार्केट में पुराना स्टॉक है और उसी एमआरपी के आधार पर दवाएं बेची जा रही हैं। सिद्ध अस्पताल के पास इंसुलिन का कार्टेज खरीद रहे तीमारदार अमित ने बताया कि उन्हें पुराने मूल्य पर ही दवा मिली है। जबकि ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष साहित्य रस्तोगी का कहना है कि पहले खरीदी जा चुकी दवाओं को भी विक्रेता को नई जीएसटी दरों पर बेचना चाहिए। उसका बिल भी ग्राहक को देना चाहिए। नहीं घटे पीतल के बर्तन, पूजन की मूर्तियों के दाम मंडी चौक में त्योहारी सीजन के लिए सजी पीतल के बर्तनों व सजावटी उत्पादों की दुकानों पर भी चीजों के दाम में कोई अंतर नहीं आया है। हालांकि दुकानदार बिल में पांच प्रतिशत जीएसटी लगाकर ग्राहक को सामान दे रहे हैं लेकिन मूल्य बढ़ जाने से ग्राहक को कोई छूट नहीं मिल रही है। एएम ट्रेडर्स के संचालक अर्पित अग्रवाल व एक अन्य दुकानदार राहुल अग्रवाल के मुताबिक कच्चे माल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसलिए पीतल के उत्पादों का दाम बढ़ गया है। मंडी चौक में अलग-अलग दुकानों पर पीतल का दाम भी अलग-अलग है। इस पर कोई अंकुश नहीं है। 10 किलो का पीतल का घंटा किसी दुकान पर 680 रुपये प्रति किलो है तो किसी के पास 1000 रुपये किलो।स्पलेंडर पर 8000 तो बुलेट के दाम में 15000 की गिरावट दिल्ली रोड पर जवाहर मोटर्स, ब्रास सिटी मोटर्स हो पीली कोठी पर रॉयल एनफील्ड का शोरूम। हर जगह ग्राहकों की भीड़ है। जवाहर मोटर्स के संचालक राहुल कपूर के मुताबिक 350 सीसी से कम की बाइक और सामान्य कारों के लिए जीएसटी 28 से घटाकर 18 प्रतिशत की गई है। इसके कारण स्पलेंडर बाइक 8000 रुपये और बुलेट 350 बाइक 15000 रुपये तक सस्ती हो गई है। यही स्थिति टीवीएस अपाचे और बजाज पल्सर की है। दिल्ली रोड स्थित टाटा मोटर्स शोरूम के संचालक आदित्य गुप्ता बताते हैं कि त्योहारी सीजन में कारों की बंपर बुकिंग है। 40 हजार का टीवी अब 36000 में मिल रहा लाइनपार में रोमिव इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम के संचालक रोमिव बताते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के दामों में गिरावट आई है। जीएसटी की दरें 28 से घटकर 18 प्रतिशत हो गई हैं। इससे दुकानदार के साथ ग्राहक को सीधा फायदा पहुंचा है। शैंकी नागरथ कहते हैं कि 40 हजार का एलईडी टीवी अब 36 हजार में मिल रहा है। दुकानदार हरविंदर सिंह का कहना है कि शादियों का सीजन आने वाला है। इसलिए वाशिंग मशीन की भी अच्छी बुकिंग है। सरकार के साफ निर्देश हैं कि दवा विक्रेता घटी हुई जीएसटी दरों पर ही दवा बेचें। इसका बिल बनाकर ग्राहक को दें और उसमें स्पष्ट करें कि पुरानी दरों के मुताबिक दवा की कीमत कितनी थी और नई जीएसटी दरों के लागू होने से उन्हें कितने रुपये का लाभ मिला है। सामान्य दवाओं को पांच प्रतिशत के स्लैब में लाया गया है। जबकि गंभीर बीमारियों की दवा पर जीएसटी शून्य है। - साहित्य रस्तोगी, अध्यक्ष, ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन ग्राहकों की जागरूकता से बाजार में असर दिखेगा। जीएसटी घटने से कई लोगों ने वस्तुओं का मूल्य ही बढ़ा दिया है। कई उत्पादों का मूल्य कंपनियों ने बढ़ाया है। इसलिए दाम में अंतर नहीं दिख रहा है। हालांकि टैक्स में छूट मिलने से सभी खुश हैं। - अरविंद अग्रवाल, अध्यक्ष, संयुक्त व्यापार मंडलघटी दरों पर सामान न दें दुकानदार तो 1915 पर करें कॉल = एके सिंह राज्यकर के अपर आयुक्त ग्रेड-1 एके सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार के अधिकारी बाजारों की मॉनिटरिंग में लगे हैं। यदि कोई दुकानदार जीएसटी की घटी दरों के मुताबिक सामान न दे तो आप व्हाट्सएप नंबर 8800001915 पर शिकायत करें या फिर 1915 डायल कर फौरन सूचना दें। स्थानीय स्तर पर जीएसटी कार्यालय में शिकायत की जा सकती है। सरकार के निर्देशों के बाद निर्माता कंपनियों ने साफ कहा है कि दुकानदार पुराने स्टॉक को भी जीएसटी की घटी दरों पर बेचें। उसका बिल बनाकर कंपनी को दें नुकसान की भरपाई निर्माता की ओर से की जाएगी। उदाहरण के लिए पार्ले-जी से लेकर अंकल चिप्स तक सबके दाम कम होने चाहिए। स्थानीय स्तर पर लोगों की शिकायत मिलने पर हमारे विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। उक्त उत्पादों पर जीएसटी की दर 12 से घटाकर 5त्न की गई है। सामान्य दवाओं को 12 प्रतिशत के स्लैब से पांच प्रतिशत पर लाया गया है। पीतल व अन्य धातु उत्पादों पर जीएसटी की दर 18 से घटाकर पांच प्रतिशत की गई है।

मुरादाबाद में बना रहे पिस्टल व कारतूस, दिल्ली पुलिस ने तीन पकड़े, पीतल कारोबार की आड़ में शस्त्र फैक्टरी

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में चल रही अवैध हथियार और कारतूस बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पीतल कारोबार की आड़ में हथियार तैयार किए जा रहे थे। मामले में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कटघर क्षेत्र में चल रही कारतूस व हथियार बनाने वाली फैक्टरी का खुलासा किया है। यह फैक्टरी किराये के मकान में पीतल कारोबार की आड़ में चल रही थी। पुलिस ने कटघर के पीरजादा निवासी हिस्ट्रीशीटर (57) को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो अर्ध-स्वचालित बोर के 210 कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा अन्य

(65) और उसके साथी फाजिल (50) और जमीर पिस्तौल, पांच सिंगल-शॉट पिस्तौल और .315 सामान भी बरामद किया गया है। बुधवार को दिल्ली गई।दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त कैलाश बिष्ट की टीम को 22 सितंबर को एक हथियार नामक तस्कर हथियारों की खेप देने दिल्ली के गाजीपुर पकड़ लिया। उसके पास से चार सिंगल-शॉट पिस्तौल बाद पुलिस ने मंगलवार को रामपुर में छापा मारकर बोर के 20 कारतूस बरामद किए गए। जमीर ने पीरजादा निवासी इलियास से खरीदे थे। दिल्ली पुलिस पुलिस की स्पेशल टीम तीनों आरोपियों को अपने साथ ले अमित कौशिक ने बताया कि सेल की पूर्वी रेंज में तैनात एसीपी तस्कर के बारे में सूचना मिली थी। पता चला कि फाजिल फ्लाईओवर के पास आएगा। पुलिस ने घेराबंदी कर फाजिल को और .315 बोर के 166 कारतूस मिले। फाजिल से पूछताछ के जमीर को गिरफ्तार किया। इसके पास से भी पुलिस को .315 बताया कि उसने यह कारतूस मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र के की टीम ने बुधवार की सुबह घेराबंदी कर इलियास को दबोच लिया और उसके पास से दो अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और एक सिंगल-शॉट पिस्तौल बरामद की। इलियास ने अपने घर के पास एक घर में कारतूस व अवैध हथियार बनाने की निर्माण फैक्टरी चला रहा था। दिल्ली पुलिस ने कटघर थाने की पुलिस की मदद से फैक्टरी में छापा मार दिया और यहां एक लेथ मशीन, ग्राइंडिंग मशीन, कारतूस बनाने के अन्य उपकरण, 354 गोलियों के लीड, 350 खोल, बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। बरामद कच्चे माल से लगभग 1000 कारतूस बनाए जा सकते हैं। इसके बाद टीम तीनों को अपने साथ दिल्ली ले गई। फाजिल- आरोपी फाजिल अनपढ़ है और वह अपने गांव में थोड़ी सी जमीन पर खेती करता है। करीब 5-6 साल पहले वह अपने रिश्तेदारों के माध्यम से जमीर के संपर्क में आया। इसके बाद उसने जमीर से अवैध हथियार खरीद कर दिल्ली में सप्लाई करना शुरू कर दिया। जमीर- रामपुर आरोपी जमीर ने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। परिवार का पालन-पोषण करने के लिए छोटी-मोटी नौकरी करने लगा। 5-6 साल पहले वह मुरादाबाद के इलियास के संपर्क में आया। तब से जमीर ने इलियास से अवैध हथियार खरीद कर आगे सप्लाई करना शुरू कर दिया था। इलियास- कटघर थाने का हिस्ट्रीशीटर इलियास ने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। अपने पिता के साथ पीतल के काम में लग गया। छोटी उम्र में ही उसने स्थानीय कारीगरों से गोला-बारूद बनाने की तकनीक सीख ली थी। करीब 20 साल पहले वह गोला-बारूद बनाने के अवैध धंधे में शामिल हो गया था। उसे पहली मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। पुलिस से बचने को किराये का मकान लेकर चला रहा था फैक्टरी- कटघर थाने का हिस्ट्रीशीटर 65 वर्षीय इलियास बहुत शातिर है। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर का सत्यापन के लिए अभियान चलाया तो उसने एक दिव्यांग का मकान किराये पर ले लिया था। इसके बाद आरोपी ने इसी मकान में अवैध कारतूस और हथियार बनाने शुरू कर दिए थे। पुलिस उसके घर सत्यापन करने जाती तो वह घर में मिलता था लेकिन पुलिस के जाने के बाद अपने काम में जुट जाता था। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि इलियास कटघर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ अलग अलग थानों में केस दर्ज है। मुगलपुरा थाने में गैंगस्टर में भी उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया था। दिल्ली पुलिस ने की कर्रवाई, कटघर पुलिस को नहीं लगी भनक- दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने मुरादाबाद में बड़ी कार्रवाई है। दिल्ली में पकड़े गए कारतूस सप्लायर के जरिए पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए मुरादाबाद पहुंची और अवैध कारतूस और हथियार बनाने की बड़ी फैक्टरी पकड़ ली लेकिन कटघर थाने की पुलिस हिस्ट्रशीटर का सत्यापन तो करती रही लेकिन उसकी गतिविधियों को सही से चेक नहीं कर पाई। यह सत्यापन कागजों में चल रहा था यहां पुलिस कर्मी मौके पर जाते थे। यह तमाम सवाल पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

आजम के कटाक्ष : अखिलेश बड़े नेता हैं, मेरे जैसे छोटे आदमी के लिए कोई बात कहेंगे तो उनका बडप्पन

रामपुर-। सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री आजम खां ने पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। बसपा में जाने के सवाल पर चीज है, हम बिकाऊ माल नहीं है यह हमने साबित कर मिलने न आने के सवाल बोले कि बड़ी पार्टी के बड़े नेता बड़प्पन है। पूर्व मंत्री 23 माह के बाद 23 सितंबर को समय अपने परिवार के बीच गुजारा। शहर के मोहल्ला आजम खां मीडियाकर्मियों के सवालों का सधे हुए अंदाज अपनी हंसी नहीं रोक सके। जब पूछा गया कि स्थानीय आए हैं, इसके जवाब में कहा कि वह खैरियत से रहें लेकर कहा कि मैं अपने यहां टिकट नहीं दिलवा सका कोई फोन आया इस सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें हैं। कहा कि वह पांच साल मोबाइल से दूर रहे और अब पत्रकारों के सवालों का जवाब अपने चित परिचित अंदाज में दिया। पूरे दिन के इंतजार के बाद वह अपराह्न में अपने आवास से बाहर आए और

मुस्कान के साथ जवाब दिया कि हमारे पास चरित्र नाम की दिया है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामपुर हैं मेरे जैसे छोटे आदमी के लिए कोई बात कहेंगे तो उनका सीतापुर जेल से छूटकर अपने घर पहुंचे और उन्होंने अधिकतर मीरबाज खां स्थित आवास से दोपहर बाद बाहर निकले में जवाब देते रहे। आजम के चुटीले कटाक्षों पर मीडियाकर्मी सांसद मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी भी उनसे मिलने नहीं आबाद रहें। मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन को उनका टिकट कैसे कटवा सकता हूं। अखिलेश यादव का सिर्फ अपनी पत्नी का फोन नंबर याद था उसे भी भूल गए मोबाइल चलाना भी भूल गए हैं। कहा कि वह बड़े आदमी नहीं हैं पार्टी के खादिम हैं। सीतापुर में कार्यकर्ताओं की गाड़ियों के चालान को लेकर कहा कि न कहे कि जमाना कितनी सजा पा रहा है। कुछ कहेंगे तो पता नहीं उन लोगों को और क्या-क्या सजाएं मिलेंगी। इतने केस लगने पर कहा कि देश में जो लोग नहीं जानते थे वह भी जान गए। जिन लोगों को मेरे बारे में नहीं मालूम था कि मैं कैसा आदमी हूं वह भी जान गए। कहा कि पांच बरस कोठरी में अकेला रहता रहा, अहसास ही मर गया किसी का इंतजार ही नहीं है। कहा कि मुकदमों में दम होता तो मैं बाहर नहीं होता। कहा कि छोटी अदालत से लेकर बड़ी अदालत से उम्मीद है कि इंसाफ मिलेगा और एक दिन मैं बेदाग हो जाऊंगा। कहा कि अखिलेश से उतनी ही मोहब्बत करते हैं जितना नेता जी उनसे मोहब्बत करते थे। बसपा में जाने के सवाल के जवाब में कहा कि बेवकूफ हूं लेकिन, इतना भी नहीं हूं। कहा कि पहले 27 महीने जेल में रहा, अब 23 महीने जेल में रहा छोटा सा आदमी था जेल से चला आया हूं।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में जहर खिलाकर महिला की हत्या, एक माह बाद पुलिस ने कब्र से निकलवाया शव

नागफनी निवासी विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत मामले में उसके पति समेत दस लोगों पर हत्या का केस दर्ज कराया गया है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को

जहर खिलाकर मार दिया गया। पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम करवाया है।नागफनी थानाक्षेत्र के मोहल्ला डेहरिया निवासी तहसीन की पत्नी नाजिया की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। इस मामले में नाजिया के पिता ने तहसीन समेत दस लोगों पर दहेज हत्या का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर पति और ससुराल वालों ने जहर खिलाकर नाजिया की हत्या की गई है। एक माह बाद पुलिस ने बुधवार को कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर विसरा सुरक्षित रखा गया है। ठाकुरद्वारा के वार्ड संख्या 15 मछली बाजार निवासी हाजी चांद दूल्हा ने दर्ज कराए केस में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी नाजिया (26) की शादी चार साल पहले नागफनी के डेहरिया निवासी तहसीन के साथ की थी।तहसीन की कपड़े की दुकान और पीतल का कारोबार है। शादी के बाद से आरोपी तहसीन और उसके परिवार के गुलजार, वसीम, शाहरूख, कुलसुम निशा, फरहा, रूखसाना परवीन, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के रामनगर निवासी ननदोई शरीफ अहमद और दिल्ली के रंजीत नगर निवासी बाबू आए दिन नाजिया को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। कई बार दोनों पक्षों की पंचायत हुई लेकिन आरोपियों ने नाजिया का उत्पीड़न कम नहीं किया। पिता का आरोप है कि 28 अगस्त को आरोपियों ने नाजिया के साथ मारपीट की और जहर खिला दिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। इसकी जानकारी मिलने पर मायके वाले आए और नाजिया को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हाजी चांद दूल्हा का आरोप है कि उन्होंने तहसीन से इस मामले में पूछताछ की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इस मामले में नागफनी पुलिस से शिकायत की लेकिन पुलिस न भी कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद नाजिया के शव को दफना दिया गया।पिता की शिकायत पर एसएसपी के आदेश पर इस मामले में सात सितंबर को नागफनी थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने की अनुमति मांगी। डीएम के आदेश पर बुधवार को मजिस्ट्रेट की मौजूद में कब्र से शव निकाला गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। विसरा सुरक्षित रखा गया है। विसरा को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

शादीशुदा महिला का युवक से अफेयर... प्रेमिका से हुआ झगड़ा तो पशु व्यापारी के बेटे ने की आत्महत्या

मुरादाबाद में शादीशुदा प्रेमिका से झगड़ा होने के बाद युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवाया है। दोनों में करीब दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था।मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के फरीदनगर गांव में पशु व्यापारी के बेटे ने बुधवार को प्रेमिका से झगड़ा होने के बाद पेड़ पर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस से परिजनों और ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम करने से इन्कार कर दिया। इस पर पुलिस ने पंचायत नामा की कार्रवाई कर शव को परिजनों को सौंप दिया। गांव निवासी पशु व्यापारी कदीर का पुत्र सईद (22) का गांव की विवाहिता से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पति से अनबन होने के कारण वह मायके में रहती थी।दोनों में करीब दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन विवाहिता का पति उसे तलाक नहीं दे रहा था। इसे लेकर तीन माह पूर्व गांव में पंचायत भी हुई थी। पंचायत ने दोनों का निकाह कराने को कहा लेकिन विवाहिता का तलाक नहीं हो पाया।मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे सईद का अपनी प्रेमिका से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर तनाव में आया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिला आयोग की सदस्य ने सीएचसी का किया निरीक्षण वैक्सीन को लेकर पाई गई कमियां प्रभारी को किया निर्देशित

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार /पीलीभीत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया की स्थिति का जायजा लेने के लिए आज महिला आयोग की सदस्य अ ै च क पुष्पा पांडे ने इस दौरान निरीक्षण किया। चिकित्सा उन्होंने मरीजों से जानकारी व व्यवस्था की जानकारी सुविधाओं की मिल रही ली। मरीजों को में उनसे व सुविधाओं के बारे जानकारी परिजनों से

लेकर डॉक्टरों को निर्देश दिए। महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया में निरीक्षण के दौरान वैक्सीन को लेकर पाई गयी कमियों पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर अनिकेत को निर्देशित किया। उन्होंने स्टाफ रजिस्टर, वाटर कूलर, साफ-सफाई और डिलीवरी पॉइंट का निरीक्षण किया। डॉक्टरों से चर्चा के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि प्रसव के बाद जटिलता वाले मामलों को तुरंत जिला अस्पताल रेफर किया जाए। साथ ही साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश दिये। हालांकि, कुल मिलाकर अस्पताल में अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया की अमरिया क्षेत्र काफ़ी बड़ा है और मरीज़ो को देख कर लग रहा है कि यहाँ काफ़ी अधिक संख्या में मरीज़ आते है। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक है और उम्मीद की कि आने? वाले समय में व्यवस्थाएं इससे और बेहतर होंगी।

बरेली के कुर्मांचल नगर मंदिर प्रांगण में रामलीला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पर्वतीय समाज (रजि0) नाथ नगरी बरेली में अपनी संस्कृति को सजोये हुए है। सन् 1967 से पर्वतीय समाज मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र जी की लीला का मंचन करते आ रहा है। स्थानअभाव के कारण यह कार्यक्रम समय समय पर अलग अलग स्थानों पर होता आ रहा है। जैसे कि सर्व प्रथम रेलवे मनोरंजन सदन, सर्किट हाउस चौराहा इलाहाबाद बैंक के पास, जवाहरलाल नेहरू युवा राष्ट्रीय केन्द्र सिविल लाइन, आर ए लाईन तोपखाना ग्राऊण्ड, लुकाट लाईन कैन्ट और उज्वल ग्राउण्ड बी आई बाजार के पास कैन्ट बरेली में करते आ रहे हैं। इस वर्ष समाज ने इस कार्यक्रम को कुर्मांचल नगर भोले नाथ मन्दिर के मैदान में करने का निर्णय लिया, बरेली प्रशासन के सहयोग से इसकी अनुमति समाज को मिल गयी। ये कार्यक्रम समाज स्थानीय कलाकारों को पूर्वाभ्यास करा कर अलग अलग पात्रता का किरदार/अभिनय के लिए तैयार किये जाते हैं, जिसका निर्वहन उमेश बिनवाल और आनन्द सिंह मेहता के निर्देशन में पूर्ण हुआ। आज हमारे सभी कलाकार अपने कुशल अभिनय के लिए फिट हो चुके हैं। दिनांक 26.09.25 से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र जी की लीला कुर्मान्चल नगर भोले नाथ मन्दिर के बिशाल मैदान में होने जा रही है । इस लीला की विशेषता यह है कि यह लीला राग भैरवी, दोहा, चौपाई, छन्द, माल कोष,राग रागनी आदि तर्ज पर गाई जाती है। वर्तमान में यह आयोजन पर्वतीय समाज द्वारा देवेन्द्र सिंह दियोलिया अध्यक्ष एवं नरेन्द्र सिंह बिष्ट महा सचिव के नेतृत्व में कराया जा रहा है। हमारे इस कार्य क्रम में स्कूल के बच्चे, सरकारी सेवा रत कर्मचारी, एवं अन्य प्राइवेट फर्मों में कार्यरत लोग अपना अभिनय करते हैं। नगर निगम के उप सभापति नरेन्द्र सिंह जी का विशेष सहयोग हमेशा ही रहा है।

सीबर की समस्या से परेशान लोगों का दर्द सुना सभासद दंगल सिंह यादव ने मौके पर पहुंचकर समस्या को हल कराया दंगल सिंह यादव

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज नगर पालिका परिषद की भाजपा सभासद गोखले नगर से निर्वाचित सीमा यादव के प्रतिनिधि युवा नेता से दंगल सिंह यादव ने अपने वार्ड में जाकर लोगो की समस्याओं को देखा और सुना वहां वार्ड में लोगो ने सीबर की समस्या को सभासद दंगल सिंह के सामने उठाया और कहा कि इस सीबर की समस्या से हम लोगों का जीना हराम है और इस सीवर के पानी के कारण वह काफी परेशान है उन्होंने तत्काल इस समस्या के निराकरण के लिये अपनी देखरेख में कार्य शुरू कराया ओर इस समस्या का हल करवाया उन्होंने बताया है कि वह वार्ड के लोगों के लिये दिनरात कार्य करते है वह कोई नेता नहीं है बल्कि एक सेवक है जो सबकी सेवा कर रहे है इस योगी सरकार की तारीफ करते हुये उन्होंने कहा कि योगी सरकार में जनता की जो भी समस्या है वह जल्द ठीक कराई जाती है भाजपा सरकार ने सबका साथ सबका विकास किया है और बिना भेदभाव के कर रही है इस अवसर पर ललित वर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे

नरवर में CM डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित भ्रमण की तैयारियों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 27 सितम्बर को तहसील नरवर में प्रस्तावित भ्रमण को लेकर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने आज व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण में पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन तथा करैरा विधायक रमेश खटीक शामिल रहे। अधिकारियों ने हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक की सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान हेलीपैड की तैयारी, सुरक्षा बलों की तैनाती, मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था का परीक्षण किया गया। साथ ही मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाने और आमजन की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम करने को भी कहा गया। अधिकारियों ने पुलिस व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, अग्निशमन और वीआईपी मार्ग व स्वागत स्थल की विशेष रूप से समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी विभाग समयबद्ध ढंग से तैयारी पूरी करें।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पोषण कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशानुसार विगत दिवस मिशन शक्ति 5.0 अंतर्गत मा0 सदस्या उत्तर आयोग पुष्पा पाण्डेय की ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश केंद्र प्रशासक वन स्टॉप जिला मिशन कॉर्डिनेटर वूमेन रिंकी सैनी द्वारा खण्ड बिथरीचैनपुर में सुमंगला योजना,

योजना के लाभार्थियों एवं विपरीत परिस्थितियों से विजय प्राप्त कर असाधारण कार्य करने वाली महिलाओं बालिकाओं का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मा0 सदस्या एवं मा0 ब्लाक प्रमुख को लाइव प्लांट देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं, विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के मोमेंट देकर सम्मानित किया गया। उक्त के अतिरिक्त मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पोषण पंचायत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पोषण पंचायत कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार के निर्देशानुसार बाल विकास परियोजना अधिकारी विमला द्वारा माननीय सदस्य एवं माननीय ब्लॉक प्रमुख से महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। इसके अतिरिक्त कंपोजिट विद्यालय बाल जाति नगर क्षेत्र में सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श से टच एवं अनसेफ टच संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया साथ ही एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

यात्रियों को सहूलियत देनी के लिए चलेंगी अंतरराज्यीय मार्गों पर रोडवेज की एसी-स्लीपर बस

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। दीपावली, छठ पूजा के दौरान रोडवेज बरेली से 15 नए मार्गों पर बस सेवा शुरू करेगा। साथ ही, निजी ट्रैवल एजेंसियों से मिल रही चुनौती से निपटने के लिए अंतरराज्यीय सेवाओं के विस्तार की कवायद भी तेज हो गई है। रोडवेज अपने बेड़े में बसों की संख्या बढ़ा रहा है। बेड़े में नई एसी, वॉल्वो और स्लीपर श्रेणी की बसों को शामिल किया जा रहा है। पिछले दिनों 20 नई एसी बसें मिलने के बाद बरेली परिक्षेत्र में इनकी संख्या अब 52 हो गई है। इनमें से बरेली और रुहेलखंड को आठ-आठ, बदायूं और पीलीभीत को दो-दो बसें आवंटित की गई हैं। दीपावली से पहले चार वॉल्वो और चार एसी स्लीपर बसें भी मिल जाएंगी। अंतरराज्यीय बस सेवा के नाम पर परिक्षेत्र की बसें दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड और चंडीगढ़ जाती हैं। मथुरा, आगरा, जयपुर के लिए ट्रेनों की संख्या कम होने से इस रूट पर बसों की संख्या ज्यादा है। अब इस रूट पर एसी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने कहा कि त्योहारी सीजन में किसी रूट पर बसों की कमी नहीं रहेगी। नए रूटों पर भी एसी बस सेवा शुरू की जा रही है। अंतरराज्यीय बस सेवा को भी विस्तार दिया जा रहा है। आने वाले दिनों में 15 नए रूटों पर बस सेवा शुरू करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

नगर पालिका सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने धनुताल मैदान की सफाई करवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) आज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के निर्देश पर पालिका के इलाके के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने नगर के ऐतिहासिक प्राचीन धनुताल मैदान की नगर पालिका की मशीनों से पालिका कर्मियों की मदद से बढ़िया साफ सफाई करवाई साथ इस धनुताल मैदान जिस पर दशहरा पर रावण मेघनाद वध लीला मेला के रूप में होती है इस मैदान को ठीक कराया साथ समतली करण भी कराया इस साफ सफाई के साथ इस दशहरा मैदान को संवारा सजाया जा रहा है इस अवसर पर राम लीला समिति के संरक्षक केशव बबेले सफाई निरीक्षक सुनील कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे

मिशन शक्ति अभियान नहीं अमोघ शक्ति है : रूपदेई

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मिशन शक्ति पेज पांच के वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक के आदेश पर वृहस्पतिवार को आजाद नौरंग इंटर कॉलेज वरिष्ठ दीवान रूपदेई ने छात्र -छात्राओं को सरकार के द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न लाभकारी योजनाओं से छात्र -छात्राओं को अवगत करवाया।साथ ही महिला सशक्तिकरण के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए 112,1076 108 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी।इस दौरान प्रधानाचार्य राम अचल खरवार,शिक्षक गिरीश गंगवार, कांस्टेबल रिंकी शर्मा सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम जी का समाजवादी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी के सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे नरेश उत्तम पटेल जी के आगमन पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारे लगाते हुए उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी, पूर्व विधायक सुल्तान बेग,पूर्व विधायक विजय पाल सिंह,शुभलेश यादव, अगम मौर्य, कदीर अहमद, जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव, मनोहर पटेल,शिव प्रताप यादव,हाजी गुड्डू, अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर, जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव,द्रोण कश्यप, बृजेश श्रीवास्तव,राजेश अग्रवाल, सविता, नमन मिश्रा, अविनाश मिश्रा, संजीव कश्यप,असलम खान, जितेंद्र मुंडे, राम सेवक प्रजापति, रामनाथ पटेल प्रधान, डब्बू प्रधान, भारती चौहान, सरताज ग़ज़ल अंसारी, गंगा सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली की बेटी स्वाति तिवारी बनीं मिस उत्तर प्रदेश 2025

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / नेशनल योगा चैंपियन रह चुकी स्वाति ने दिल्ली के भव्य मंच पर जीता ताज, अब करेंगी राष्ट्रीय स्तर पर यूपी का प्रतिनिधित्व बरेली । शहर की नई सितारा स्वाति तिवारी ने अपने संघर्ष और मेहनत के दम पर मिस उत्तर प्रदेश 2025 का ताज जीतकर पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया। 2019 में नेशनल योगा चैंपियन रह चुकी स्वाति ने राजधानी के चमचमाते मंच पर ताज पहनते ही हज़ारों तालियों की गूंज से पूरा सभागार भर दिया। बरेली की बेटी - उत्तर प्रदेश का गौरव यह क्षण न केवल स्वाति, बल्कि उनके पिता लक्ष्मन प्रसाद तिवारी और माता मिथलेश तिवारी के लिए भी गर्व और सम्मान का बन गया। अब स्वाति तिवारी राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनका सपना है कि आने वाले दिनों में मिस इंडिया का ताज भी उत्तर प्रदेश की झोली में आए और बरेली का नाम पूरे देश में सितारों की तरह चमके। अपनी इस कामयाबी का श्रेय स्वाति ने अपने परिवार को दिया। मंच पर भावुक होते हुए उन्होंने कहा -मेरी माँ मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। हर परिस्थिति में उन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया। आज यह ताज सिर्फ मेरी जीत नहीं, बल्कि मेरी माँ और पूरे उत्तर प्रदेश की जीत है

रामलीला में गूंजे जयकारे राम-सीता-लक्ष्मण को केवट ने पार कराई गंगा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम बीती रात बरेली में देखने को मिला। चौधरी मोहल्ले में रानी महालक्ष्मीबाई रामलीला समिति की ओर से चल रही भव्य रामलीला में गंगा पार कराने का केवट

प्रसंग और राम-भरत मिलन का ऐसा सजीव मंचन हुआ कि दर्शकों की आंखें नम हो गईं। वनवास के दौरान जब श्रीराम, सीता और लक्ष्मण गंगा तट पर पहुंचे, तब केवट प्रसंग का मंचन किया गया। इस दौरान मंच से जैसे ही संवाद गूंजा- हे नाथ, आपके चरणों की धूल से तो पत्थर भी तर जाते हैं। यदि यह मेरी नाव पर लग गई तो मेरी नाव भी मनुष्य बन जाएगी और मेरा परिवार बेरोजगार हो जाएगाज तो पूरा मैदान हर-हर गंगे और सियावर रामचंद्र की जय के नारों से गूंज उठा। राम के आदेश पर केवट ने पहले उनके चरण धोए, उस चरणामृत को माथे से लगाकर पूरे परिवार को ग्रहण कराया और फिर राम-सीता-लक्ष्मण को नाव में बैठाकर गंगा पार कराई। समिति के अध्यक्ष रामगोपाल मिश्रा ने बताया कि यह भारत की एकमात्र रामलीला है, जहां चौधरी तालाब के अंदर नाव में बैठाकर गंगा पार का सजीव मंचन किया जाता है।

2,275 किसानों से ली जाएगी जमीन, सर्किल रेट से चार गुना होगा मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पीलीभीत रोड पर प्रस्तावित नई टाउनशिप के लिए किसानों को जमीन के बदले सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में

बुधवार को आयोजित भूमि क्रय दर निर्धारण समिति की बैठक में इस पर मुहर लगी। बैठक के बाद जानकारी दी गई कि प्रस्तावित टाउनशिप के लिए अडुपूरा जागीर, आसपुर खूबचंद, अहिलादपुर, कुम्हरा, कलापुर, बरकापुर, मोहरनिया, हरहरपुर, नवदिया कुर्मियान के 2,275 किसानों की 267.1925 हेक्टेयर भूमि सहमति के आधार पर क्रय की जाएगी। जिन काश्तकारों की भूमि लिंक मार्ग या राष्ट्रीय राजमार्ग पर है, उनको वास्तविक स्थिति के अनुसार मुआवजा देय होगा।

बिना अनुमति खोद डाली सड़कें, बिजली विभाग पर 10 लाख का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बिना अनुमति के स्मार्ट सिटी की सड़कें खोदने पर नगर निगम ने बिजली विभाग पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

जिसके बाद से विभाग में खलबली मची है। अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय ने बताया कि विकास भवन से आनंद आश्रम तक की रोड संख्या 5 और सर्किट हाउस रोड पर डीआईजी ऑफिस के पास लगाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स, जीएसबी और ब्लैक बिटुमिनस सड़कों को बिना अनुमति गड्ढे खोदकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इन कार्यों से न केवल सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हुआ बल्कि आम जनता के लिए दुर्घटना की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। बिजली विभाग की इस मनमानी से करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है और नियमों के तहत 100 प्रतिशत दंड स्वरूप 10 लाख रुपये की वसूली तय की गई है। बिजली निगम के अधिशासी अभियंता को आदेश दिया है कि तीन दिन के अंदर धनराशि स्मार्ट सिटी के खाते में जमा कराई जाए और तय समय में राशि जमा न करने पर संबंधित विभाग के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रोबीजन अधिकारी के आदेशानुसार जनजागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार /पीलीभीत / जनपद पीलीभीत – मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर जन जागरूकता की थीम पर महिला कल्याण विभाग से हब तथा वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा

जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम औरैया ब्लॉक मरौरी में किया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे द्वारा बालिकाओं व महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं जैसे मातृत्व वंदना योजना, बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर , जननी सुरक्षा योजना आदि के बारे में आम जनमानस को विस्तार पूर्वक बताया गया। बाल विकास विभाग से बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता चैधरी द्वारा गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी दी गई व एनीमिया रोग से बचने के उपाय बताए गए इसी क्रम में पुलिस विभाग से उप निरीक्षक हरवीर सिंह जी द्वारा बच्चों व महिलाओं को सरकार द्वारा चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबर जैसे चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 महिला हेल्पलाइन 181 पुलिस हेल्पलाइन 112 वूमेन पावर लाइन 1090 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आदि नंबरों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की टीम जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह मनो सामाजिक परामर्शदाता मृदुला शर्मा आंगनवाड़ी आदि उपस्थित रहे।

प्रशासन ने पटाखा दुकान पर की छापेमारी, स्टॉक रजिस्टर में अपडेट नही

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार /पीलीभीत /आगामी त्यौहारी सीजन और दीपावली के मद्देनजर प्रशासन ने आतिशबाजी की

दुकानों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का मानना है कि त्योहारी सीजन में है। छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। एसडीएम मयंक गोस्वामी, सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल और थाना अध्यक्ष की टीम ने संयुक्त रूप से बुधवार को कस्बा अमरिया में धुंधरी रोड पर नहर पुल के पास स्थित पटाखा दुकान पर शाहिद आतिशबाज की दुकान पर छापेमारी की गई। जांच में पाया गया कि दुकान का स्टॉक रजिस्टर 2023 के बाद से अपडेट नहीं है। दुकान में क्रय-विक्रय रजिस्टर भी नहीं मिला। टीम ने सुरक्षा इंतजामों की भी जांच की, जिसमें फायर सिलेंडर सहित अन्य उपकरण मौजूद पाए गए। एसडीएम मयंक गोस्वामी ने कहा कि जांच में मिली खामियों की रिपोर्ट मुख्य अग्निशमन अधिकारी को भेजी गई है। उन्होंने कहा कि विस्फोटक पदार्थों के व्यापार में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने दुकानदार को चेतावनी दी कि बिना उचित दस्तावेजों के पटाखों की बिक्री कानूनी अपराध है। वही एसडीएम ने निर्देश दिए कि आतिशबाजी का हर लेन-देन जीएसटी बिल पर दर्ज होना चाहिए। इससे व्यापार में पारदर्शिता आएगी और अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कड़ी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

वीर अब्दुल हमीद चौक पर बड़ा एक्शन! सोशल मीडिया वायरल वीडियो के बाद विजय हिंदुस्तानी ने हटाया अतिक्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कस्बे के कैराना मार्ग स्थित शहीद वीर अब्दुल हमीद चौक पर कुछ लोगों द्वारा क ब्जा जमाने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होते ही गरमाया। चौक पर लगे बैनर और पोस्टर की तस्वीरें और वीडियो ने पूरे क्षेत्र में सन्नाटा और नाराजगी फैला दी। इस मामले का सक्रिय संज्ञान लिया विजय हिंदुस्तानी भारसी निवासी ने। गुरुवार को अपने साथियों के साथ चौक पहुंचे और तुरंत कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटा दिया। इस दौरान स्थानीय लोग भी उनके साथ जुड़ गए।स्थानीय लोगों ने कहा कि शहीदों के नाम पर बने स्थलों का सम्मान हर हाल में बनाए रखना चाहिए। वीर अब्दुल हमीद चौक केवल एक सार्वजनिक स्थल नहीं, बल्कि देशभक्ति और बलिदान की मिसाल है।अब सबकी निगाहें कांधला नगरपालिका प्रशासन पर टिकी हैं कि भविष्य में इस तरह के अतिक्रमण रोकने के लिए क्या कड़े कदम उठाता है। क्षेत्रवासियों का संदेश साफ है शहीदों की शहादत पर कोई समझौता बर्दाश्त नहीं

मिशन शक्ति 5.0 : जनपद में सम्मानित हुई नारी शक्ति

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनपद में नारी सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का संदेश लेकर चल रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रांगण में भव्य समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर मा0 राज्यमंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं प्रतिभा शुक्ला ने ग्राम प्रधान, विभाग तथा बाल विकास एवं एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर शक्ति को सम्मानित करने का यह रहा। राज्यमंत्री ने कहा कि मिशन बल्कि नारी सुरक्षा, सम्मान और उन्होंने विश्वास जताया कि जनपद और परिश्रम से समाज में नई पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनुरागी ने अवसर मिलने पर वे हर क्षेत्र में सकती हैं। वहीं विधान परिषद

पुष्टाहार विभाग, उ0प्र0 श्रीमती पुलिस विभाग, स्वास्थ्य पुष्टाहार विभाग की महिलाओं सम्मानित किया। मंच से नारी क्षण उत्साह और गौरव से भरा शक्ति केवल एक योजना नहीं, स्वावलंबन की गारंटी है। की महिलाएं अपने आत्मबल पहचान बना रही हैं। जिला कहा कि महिलाओं को नई ऊँचाइयाँ हासिल कर सदस्य श्रीमती रमा निरंजन ने मिशन शक्ति को सामाजिक परिवर्तन की धुरी बताते हुए कहा कि यह अभियान महिलाओं की सोच और समाज की दृष्टि–दोनों को बदल रहा है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति फेज–05 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, रोजगार, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की संकल्पना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उन्हें सम्मानित किया गया। विशेष आकर्षण यह रहा कि प्रतीकात्मक रूप से महिला अधिकारियों को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की भूमिका दी गई, जिनके नेतृत्व में पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ। उन्होंने ने कहा कि प्रतिभाग करने वाली महिलाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन और रोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान चलाकर जनपद की प्रत्येक पंचायत में टीम भेजी जाएगी, जो महिलाओं को उनके अधिकार, कानून और योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगी। इस दौरान महिला बीट सिपाहियों की भी सक्रिय भागीदारी रहेगी। उन्होंने अपील की कि महिलाएं और समाज के प्रबुद्धजन आगे आकर सशक्त समाज व समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहयोग करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र देव शर्मा, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद, कार्यक्रम अधिकारी शरद अवस्थी सहित बड़ी संख्या में नारी शक्ति मौजूद रही।

राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने स्वदेशी कृषि मेला का किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार /पीलीभीत / राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख (मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग) ने पीलीभीत दौरे पर गांधी स्टेडियम में स्वदेशी कृषि मेला का उद्घाटन किया इस दौरान उन्होने लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूक किया। स्वदेशी मेले के उद्घाटन के मौके पर लोगों को संबाधित करते हुए कहा कि हमें अपने देश एवं प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। अत: हमें स्वदेशी की ओर बढ़ना होगा। लाभ होगा और हमारे देश को बाद उन्होने भाजपा जिला कार्यालय रिफार्म पर वार्ता की। पत्रकारों से वार्ता हो रहा है कि हमारे देश के यशस्वी दरो पर बहुत बड़ा फैसला लिया है। यह लागू किया जा चुका है। 3 सितम्बर

हमारे छोटे एवं बडे व्यापारियों को इससे आत्मनिर्भर बनाने में मजबूती मिलेगी। इसके जनपद पीलीभीत में पत्रकारो से जी.एस.टी. करते हुए कहा कि मुझे यह बताते हुए हर्ष प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में जी.एस.टी. की फैसला 22 सितम्बर, 2025 को पूरे देश में 2025 को हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल बैठक ने ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद का सबसे बड़ा बदलाव है। अब देश में सिर्फ दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू होंगी। विलासिता और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर रखी गई हैं। राज्यमंत्री ने बताया कि जीएसटी रिफार्म के माध्यम से 50 करोड़ परिवारों को तक सस्ती साम्रगी पहुंचाने का कार्य किया है। दूध, पनीर, शैम्पू, साबुन, टूथपेस्ट जैसी रोज़मर्रा की चीजें अब केवल 5 प्रतिशत या शून्य दर पर होगी। हमारी सरकार शिक्षा को सर्वाधिक महत्व देती है इसलिए कॉपियां, पेंसिल, नोटबुक और बच्चों की सामग्री अब पूरी तरह कर-मुक्त रखी गयी है। आम जन के स्वाथ्य को ध्यान में रखते हुए जीवन बीमा अब पूरे तरह से जी.एस.टी. मुक्त कर दिया गया है। इसका सीधा असर होगा आम आदमी पर बोझ घटेगा, और गैर-जरूरी उपभोग पर कर बढ़ेगा। एमएसएमई के लिए 3 दिन में ऑटो-अपूक्ल रजिस्ट्रेशन कर दिया गया है। उन्होने कहा कि देश ने दिनांक 22 सितम्बर, 2025 को व्यापारी, महिलाओं एवं किसानों ने दीवाली से पहले जी.एस.टी. रिफार्म को बचत उत्सव के रूप में मनाया। रिस्क बेस्ड कम्पलायंस से व्यापार आसान और तेज़ होगा। इनवर्टड ड्यूटी स्ट्रेचर्स की समस्या वाले क्षेत्रों में अब तेज़ रिफंड व्यवस्था की व्यवस्था होगी। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए यह सुधार बड़ा सहारा सिद्ध होंगे। वित्तीय वर्ष 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह रु0 22 लाख 08 हजार करोड़ रहा तथा चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त तक सिर्फ 05 महीने में ही रू0 10 लाख 4000 करोड़ का संग्रह हो गया है। जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 0.3 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का अर्थशास्त्रीय द्वारा अनुमान जताया गया है। उन्होंने बताया कि जीएसटी से मिली आय अब सड़कों, रेलवे, मेट्रो, स्कूलों और अस्पतालों पर निवेश हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 91 हजार किमी से बढ़कर । लाख 46 हजार किमी हो गया है। यह पहल कर सुधारों को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाते हुए व्यापार जगत को नई ऊर्जा देगी तथा राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगी। प्रेस वार्ता में विशिष्ट अथिति पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जीएसटी जिला अभियान संयोजक एवं जिला संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ मनोज गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी स्वतंत्र देवल और जिले के व्यापारी गण उपस्तिथ रहे।

समाज की प्रगति के लिए लैंगिक समानता और जागरूकता जरूरी – प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

क्यूँ न लिखूँ सच /शिवपुरी। महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित, अनुकूल और भेदभाव रहित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) पर आधारित एक दिवसीय मातोश्री में आयोजित किया सरस्वती के चित्र पर इस अवसर पर प्रधान जिला जिला विधिक सेवा सोनी ने कहा कि समाज तभी में समानता की भावना केवल कानून बन जाने से समाज को शिक्षित और

का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, अधिनियम 2013 के प्रावधानों प्रशिक्षण शिवपुरी के होटल गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां माल्यार्पण के साथ किया गया। एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, प्राधिकरण शिवपुरी राजेन्द्र प्रसाद आगे बढ़ सकता है जब परिवारों विकसित हो। उन्होंने कहा कि घटनाएं नहीं रुकेंगी, इसके लिए जागरूक होना जरूरी है। म.प्र. महिला आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने कहा कि यदि महिलाएं कार्यस्थल पर सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करेंगी तो समाज और देश की प्रगति और मजबूत होगी। उन्होंने अधिनियम 2013 के प्रावधानों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि असमानता की जड़ परिवार से ही मिटानी होगी। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव रंजना चतुर्वेदी ने कहा कि कार्यस्थल का सुरक्षित वातावरण महिलाओं की दक्षता और कार्यक्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्यालय में आंतरिक परिवाद समिति का गठन और उसका बोर्ड प्रदर्शित करना अनिवार्य है। समिति न होने या बोर्ड प्रदर्शित न करने पर कार्यालय प्रमुख पर 50 हजार रुपये का जुर्माना अधिनियम में निर्धारित है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मूले, छिब्बर स्कूल संचालिका बिन्दु छिब्बर, जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र जादौन सहित महिला लीगल वॉलेंटियर्स, एनजीओ प्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दबंगों द्वारा पशु बांधने और कचरा फैलाने से परेशान महिला ने एसडीएम से लगाई गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा क्षेत्र में एक महिला ने आम रास्ते पर अवैध कब्जे का मामला सामने लाया है। रानीसीर चिरैया की निवासी कोमल देवी ने उपजिलाधिकारी संजय राय को प्रार्थना पत्र सौंपा है। कोमल देवी ने बताया कि गांव के दरबारी, दिनेश, जगदीश, अमरिका और राम उजागर सहित कई लोग सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण कर रहे हैं। ये लोग रास्ते पर पशु बांधते हैं और पशुओं का मल-मूत्र वहीं जमा करते हैं। इससे आवागमन में परेशानी हो रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, दबंगों ने उनकी निजी जमीन (गाटा संख्या 456, रकबा 0.162 हेक्टेयर) पर भी कब्जा कर लिया है। यह स्थिति तब है जब केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छता मिशन और सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने का विशेष अभियान चला रही है। उपजिलाधिकारी संजय राय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि रास्ते की सफाई कराई जाएगी और अवैध कब्जे को हटवाया जाएगा।

पंडित अभिषेक शास्त्री द्वारा पूजन एवं समस्त अग्रवाल बधुओ एवं महिलाओं द्वारा महाराज जी को माल्यार्पण कर किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ अग्रवाल धर्मशाला जलालाबाद

में आज अग्रकुल शिरोमणि अग्रसेन जी महाराज की जयंती के अवसर पर आज के मुख्य अतिथि डॉक्टर मनोज गोयल डायरेक्टर दिव्य पैरामेडिकल कॉलेज ने महाराजा अग्रसेन जी को समाजवाद का सच्चा प्रवर्तक बताया और उनकी शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि महाराज जी द्वारा चलाए गए एक ईंट एक रुपया का सिद्धांत समाजवाद की परिकल्पना को साकार करता है। यह सिद्धांत सबको समानता का अवसर प्रदान करता हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित अभिषेक शास्त्री द्वारा पूजन एवं समस्त अग्रवाल बंधुओं एवं महिलाओं द्वारा महाराज जी को माल्यार्पण द्वारा किया गया। पूजन में मुख्य यजमान लाला बृजमोहन जी आढ़ती, सुशील गोयल , उमेश गोयल, उपेंद्र गुप्ता रहे। कार्यक्रम में छोटे बच्चों द्वारा महाराज जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गीत गाए गए। कुछ बालिकाओं ने अपनी नृत्य प्रतिभा से मन को मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन संजीव गर्ग ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंकित , तरंग, तुषार, अमित, प्रिंस, कार्तिक, मोहित, वंश का सहयोग रहा।आदेश गर्ग, सुशील जैन, अनिल गुप्ता, रोमिल मित्तल, विपिन मित्तल, आशीष गर्ग, विनीत गर्ग, वंशज गोयल, एवं अन्य अग्र बंधु उपस्थित रहे।

कैराना मैं बस से उतरते वक्त सड़क पर गिरी दिए की छात्रा की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कैराना शमली कैराना कस्बे के विजय सिंह पाथिक राजकीय स्नातकोत्तर मैं पढ़ने के लिए आ रही थी शामली की छात्रा हदसे से परिजनों में मचा कोहराम पुलिस ने मृतक छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया कैराना मैं बीए प्रथम वर्ष की छात्र की बस से उतरते वक्त सड़क पर गिरने से दर्दनाक मौत हो गई छात्र कस्बे के विजय सिंह पाथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पढ़ने के लिए आ रही थी हद से से परिजनों में कोहराम मचा है वही पुलिस ने छात्र केशव को पंचायत नामा भरने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है शामली के मोहल्ला बड़ा बाबू बरखंडी निवासी ईशा 18 वर्ष कस्बे के विजय सिंह पाथिक राजकीय स्नातकोत्तर मैं बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी बुधवार को वह प्राइवेट बस में सवार होकर पढ़ने के लिए महाविद्यालय आ रही थी इसी दौरान महाविद्यालय के सामने बस से उतरते वक्त छात्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई छात्र को उपचार के लिए कस्बे के समय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां पर चिकित्सा को ने उसे मृत घोषित कर दिया हास्य की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे छात्र की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था छात्र की मां मृतक शव से लिपटकर रोती हुई नजर आई बाद में कस्बे की किला गेट चौकी प्रभारी एस आई विनोद राघव महिला कांस्टेबल व अन्य पुलिस कर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचे तथा छात्रा के शव का पंचनामा भरने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक समय पाल अत्रि का कहना है कि मृतक छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज भेजा गया है तहरीर प्राप्त होने पर मुकदमा दर्ज करके अंतिम विधि कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मिशन शक्ति 5.0 : मेडिकल कॉलेज में नारी शक्ति के साहस और शौर्य की गूँज

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आज मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें नारी शक्ति के साहस, आत्मविश्वास और जागरूकता की अद्भुत झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएँ, महिलाएँ और नगरवासी शामिल हुए। मंच से सभी अतिथियों ने नारी सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संदेश दिया। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि नारी शक्ति के बिना समाज की कल्पना अधूरी है और मिशन शक्ति महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानित बनाने का प्रयास है। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि महिलाएँ आज शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान और रक्षा समेत हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने मिशन शक्ति को महिलाओं को नेतृत्व और आत्मविश्वास देने वाला अभियान बताया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए हरसंभव प्रयास करेगा तथा योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने छात्राओं से निडर होकर अपने सपनों को पूरा करने की अपील की और बताया कि महिला हेल्पलाइन और बीट पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवाद कार्यक्रमों ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। छात्राओं ने आत्मनिर्भरता, जागरूकता और नारी शक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। पूरे कार्यक्रम में महिला शक्ति का उत्साह और जोश देखने लायक था।

सहकार भारती उत्तर प्रदेश के महामंत्री जिला अरविंद दुबे ने सर्व समिति से शीशपाल निर्वाल को जिला अध्यक्ष व गौरव कुमार को संगठन प्रमुख बनने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली सहकार भारती उत्तर प्रदेश द्वारा शामली की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष शीशपाल निर्वाल को नियुक्त किया गया वहीं संगठन प्रमुख की जिम्मेदारी गौरव कुमार को दी गई व जिला महामंत्री जबर सिंह को मनोनीत किया गया जिससे संगठन के कार्यकर्तो में खुशी की लहर दौड़ गई संगठन के सभी कार्यकर्ताओं ने नवयुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश सहकार भारती के द्वारा जिला शामली में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री अरविंद दुबे वह महिला से प्रमुख आशा नगर थे प्रदेश उपाध्यक्ष अभय चौधरी इस अवसर पर अरविंद दुबे ने कहा कि सहकार भारती समाज में सहयोग आत्मनिर्भरता व संगठन की भावना को मजबूत बनाने वाला संगठन है यह संगठन किसानों मजदूरों महिलाओं में युवाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है इस अवसर पर संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है सहकार भारती पूरे भारतवर्ष समेत उत्तर प्रदेश में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है सहकार भारती प्रदेश में सहकारिता विभाग समेत तमाम सामाजिक विकास के विषय पर सरकार व समाज का सहयोग करता है इस अवसर पर बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई दी गई बैठक की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल वीरेंद्र वर्मा के भतीजे नितिन वर्मा ने की संचालन अजय धीमान ने किया बैठक में मीडिया प्रभारी कपिल पंवार गन्ना समिति डायरेक्टर लवली मालिक भाजपा नेता सुखचैन वालिया जिला मंत्री भाजपा पारस भारद्वाज आदि मौजूद रहे

मटेरा में मां दुर्गा पूजा महासमिति का गठन , दुर्गा पूजा सकुशल रूप से संपन्न हो विसर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह/बहराइच बहराइच। श्री दुर्गा पूजा समिति, मटेरा बाजार की आमसभा बृहस्पतिवार को हुई। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री. आलोक अग्रवाल ने की। इसमें पूजा में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो इस पर गंभीरता से विचार किया गया। दुर्गा पूजा सकुशल रूप से विसर्जन हो । इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए विशेष संचालन समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष श्री आलोक अग्रवाल ने कहा कि मटेरा बाजार की दुर्गा पूजा पूरे क्षेत्र के लिए अनोखा रूप ले रहा है। इस क्षेत्र के सभी जाति-धर्म के बच्चे जो प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण अथवा किसी सरकारी सेवा में चयन होते हैं उन्हें समारोह में पुरस्कृत किया जाता है। आमसभा में मटेरा थाना अध्यक्ष अभिनव प्रताप सिंह व संरक्षक कृष्णा शुक्ला, जगदीश प्रसाद यादव, ननकऊ प्रसाद वर्मा ,राज किशोर साहू, ओम प्रकाश पांडे, उपाध्यक्ष अमबरीश मित्तल उर्फ डब्बू , अमरीक सिंह, बबलू यादव, देवेंद्र सिंह, कौशल किशोर, कौशल ठाकुर, महामंत्री मनोज सिंह, माधुरी शरण पांडे,सनोज काका, एडिटर आयुष अग्रवाल , विकास चंद्र गोयल , मंत्री उमंग अग्रवाल, सीताराम पांडे,सहज राम यादव, दिनेश वर्मा,ललित मिश्रा, कई अन्य सदस्य गण मौजूद रहे

मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के सर्किल ऑफिसर परमेश्वर प्रसाद के निर्देशन में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजित सिंह की देखरेख में मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार नगर के मारकडेश्वर तिराहा पर आज वाहन चेकिंग अभियान चलाया है और इस वाहन चेकिंग अभियान में मुख्य रूप से दो पहिया वाहन चालकों के हेलमेट और ड्राइवर लाइसेंस चेक किये और उन्होंने वाहन चालकों को हिदायत दी है कि दो पहिया वाहन चलाते समय वह अपने साथ ड्राइवर लाइसेंस जरूर रखे साथ ही हेलमेट लगाकर ही अपनी गाड़ी चलाए उन्होंने चार पहिया वाहन चालकों ओर मालिकों को चेतावनी दी है कि वह अपने वाहन को चलाते समय सीट बेल्ट का जरूर प्रयोग करे और यातयात के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करे उन्होंने यह भी कहा कि वाहन नशे में न चलाए और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात न करे और तेज गति ओर अधिक सवारी न बैठाए इस अवसर पर कोतवाली के दरोगा अनुराग राजन सिपाही अजय पाल अभिषेक पाल भूपेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे इस वाहन की चेकिंग होते देख कई वाहन चालक गलियों में घूम कर चुपचाप खिसक लिए इस वाहन चेकिंग को लेकर वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा

माननीय मंत्री राधा सिंह ने चितरंगी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर स्वच्छता अभियान में भाग लिया – कार्यक्रम चितरंगी बाजार से जनपद कार्यालय तक निकाला गया

क्यूँ न लिखूँ सच / अनुपम कुमार द्विवेदी /सिंगरौली - चितरंगी, दिनाँक 25/09/2025 कोआज मण्डल चितरंगी में राज्य मंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग), माननीय श्रीमती राधा सिंह ने सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत पितृपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजकों ने कार्यक्रम को चितरंगी बाजार से जनपद कार्यालय तक प्रेरक रैली के रूप में सफलतापूर्वक संचालित किया। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय पार्टी मण्डल द्वारा किया गया था। मण्डल अध्यक्ष श्री अजय द्विवेदी की अध्यक्षता में और माननीय मंत्री राधा सिंह के मुख्य अतिथ्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा उपखंड प्रशासन की टीम भी उपस्थित रही और उन्होंने अभियान के तहत सफाई, कचरा प्रबंधन तथा जागरुकता प्रसार के कार्यों में सहायता की। स्वच्छता रैली की शुरुआत चितरंगी बाजार से हुई जहाँ से कार्यकर्ता बैनर, प्लेकार्ड और डस्टबिन लेकर जनपद कार्यालय की ओर चले। रैली के दौरान नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिये घोषणियाँ और संदेश दिए गए। विशेष रूप से सड़क किनारे कूड़े-कचरे का संचयन, नालियों की सफाई तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न डालने के संबंध में लोगों से अपील की गई। माननीय राधा सिंह ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे राष्ट्र भक्तों की याद में सेवा पखवाड़ा आयोजित करना और जनजीवन में स्वच्छता की आदतें स्थापित करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व स्वास्थिसंबद्ध कामों को और प्रभावी बनाया जाएगा और स्थानीय सहभागिता इसकी सफलता की कुंजी है। (उपस्थित सूत्रों के अनुसार) मण्डल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने भी उपस्थित नागरिकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल सामाजिक संदेश प्रसारित होता है बल्कि स्थानीय स्तर पर जुड़ी समस्याओं – जैसे खुले गड्ढे, अव्यवस्थित कूड़ा निपटान और सार्वजनिक स्वच्छता – के तात्कालिक समाधान भी निकाले जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में और भी जागरूकता अभियान और शहरी-ग्रामीण स्वच्छता पहलकदमियाँ आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय प्रशासन द्वारा सफाई सामग्री और डस्टबिन स्थापित करने का भरोसा भी दिलाया गया ताकि रैली के दौरान उठाए गए कदमों को दीर्घकालिक रूप से लागू किया जा सके। आयोजन में शामिल जन प्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने मिलकर शहर के कुछ चिह्नित स्थानों की सफाई की और स्थानीय दुकानदारों व नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी करवाई गई। यह पहल पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके आदर्शों को सम्मानित करने तथा समुदाय में सेवा व नागरिक दायित्वों की भावना को सुदृढ़ करने का प्रयास मानी जा रही है। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य में वास्तविक सुधार दिखे।

चित भूमि 26.26 पर नगर पालिका ने तालाब भूमि पर किया निरक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कांधला गुरुवार को शिकायत पर नगर पालिका टीम तालाब संख्या 2626/2/3/4 पर पहुंची और भूमाफियों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्ज़े को रोक दिया। पालिका ने साफ किया कि तालाब भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।वादी जुनेद अख्तर ने बताया कि न्यायालय ने भूमि की सुरक्षा के लिए स्टे आर्डर पारित किया है। तालाबों की बहाली से जलनिकास और बाढ़ की समस्या भी कम होगी। नगर पालिका ने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी अवैध कब्ज़े या भूमाफियों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारियों और आम जनता को राहत देने का कार्य किया मोदी सरकार ने संजय लोहिया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय लोहिया ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और उन्होंने मोदी सरकार द्वारा हाल ही में जीएसटी की दरों में कटौती कर देने के निर्णय को आम जनता के हित में बताया है संजय लोहिया ने कहा कि अब जीएसटी की दरों में कमी हो जाने पर खाने पीने की चीजों के रेट कम हो जाएंगे साथ कई तरह के इलेक्ट्रिक सामान मोटर साइकिल घरों में यूज होने वाले जरूरी सामानों के दाम गिर जाएंगे जिससे आम जनता को लाभ होगा इस निर्णय से निश्चित जनता दुकानदारों और व्यापारियों को भी लाभ है पहले टेक्स ज्यादा लगकर आ रहा था लेकिन अब सरकार ने टेक्स में कमी कर दी जिससे महंगाई भी कम होगी और लोगो को राहत मिलेगी इस निर्णय पर उन्होंने मोदी सरकार को धन्यवाद दिया

सशक्त नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत एसएसबी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के नेतृत्व में सशक्त नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम के तहत वाहिनी मुख्यालय भिनगा स्थित चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा की चिकित्सक टीम के सहयोग से शिविर संचालित हुआ, जिसमें वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। यह केवल एक जीवन ही नहीं, बल्कि कई परिवारों को नई उम्मीद देता है। एसएसबी सदैव समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रही है और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान में 62वीं वाहिनी एसएसबी का विशेष श्रमदान – नवीन मंडी स्थल भिनगा में चला सफाई अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा ने स्वच्छता के महाअभियान में भागीदारी निभाई। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशा निर्देशन में प्रातः 08:00 बजे नवीन मंडी स्थल, भिनगा में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर जवानों तक सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर झाड़ू उठाई और सफाई अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर पीयूष सिन्हा (उप कमान्डेंट), सोनू कुमार (उप कमान्डेंट), गोबर्धन पुजारी (उप कमान्डेंट), अमित शर्मा (सहायक कमान्डेंट) तथा अन्य अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, वाहिनी की समस्त बाह्य सीमा चौकियों पर भी सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई हेतु एक साथ श्रमदान किया गया। इस दौरान एसएसबी के जवानों ने स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता का संदेश देते हुए उन्हें अभियान से जुड़ने की प्रेरणा दी। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने अपने संदेश में कहा –स्वच्छता केवल सरकार का अभियान नहीं बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब समाज मिलकर स्वच्छता को अपनाएगा तभी राष्ट्र स्वस्थ और समृद्ध बन सकेगा।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती । जमुनहा क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश सिंह ने उपजिलाधिकारी संजय राय को इस संबंध में शिकायती पत्र सौपा है। शिकायत में बताया गया है कि गाटा संख्या 52 की सरकारी जमीन, जिसका रकबा 0.45 हेक्टेयर है और कष्टोरियन में दर्ज है, पर गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। कल्लू फौजदार, खुलबत, छोटकाऊं और अन्य लोगों ने इस जमीन पर मकान भी बना लिए है। वर्तमान में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाने का अभियान चला रही है। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष ने इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। उपजिलाधिकारी संजय राय ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जमीन की जांच कर कब्जा मुक्त कराया जाएगा।

Who is Rukmini Vasanth? After 'Kantara Chapter 1,' she will be seen in this film with 'KGF' star Yash.

Rukmini Vasanth! She is set to appear in popular films in the South industry. One film is 'Kantara Chapter 1,' starring Rishabh Shetty in the lead role. After this, she will also be seen in Yash's film. Know who is Rukmini

- Vasanth? Actress Rukmini Vasanth will play a key role in the Rishabh Shetty- starrer 'Kantara Chapter 1.' The trailer for this film was released today. After Rishabh Shetty, Rukmini also has another film with a South superstar. She will also be seen in 'KGF' fame Rocky Bhai, aka Yash's, next film. Let's know about Rukmini: Rukmini will be seen in this Yash film. Rukmini will also be seen in in South superstar Yash's next highly- anticipated film, 'Toxic.' Rukmini Vasanth is a well-known actress active in the South industry. She primarily works in Kannada, Tamil, and Telugu films. She began her career with "Birbal" (2019). Rukmini gained popularity in 2023 with the romantic drama "Sapta Sagaradachche Elo: Side A," for which she won the Filmfare Critics Award for Best Actress (Kannada). When will "Kantara: Chapter 1" release? Rukmini recently made headlines for her role in "Kantara: Chapter 1." Following this, she will also be seen in important roles in Yash's "Toxic" and Prashanth Neel- Jr. NTR's "Dragon." "Kantara: Chapter 1" is also directed by Rishab Shetty. It is one of Hombale Films' biggest projects. The film will release on October 2, coinciding with Dussehra. Rukmini's popular films - Talking about Rukmini's popular films, she has worked in big banner Kannada films like 'Banadariyali', 'Bagheera' and 'Bhairathi Ranagal'. Apart from this, she has also shown her acting prowess in Telugu and Tamil industry through films like 'Appudo Ippudo Appudo' and 'Ace'. Rukmini was also seen in 'Madharasi' released on 05 September 2025, in which Sivakarthikeyan played an important role. Rukmini has a good fan following on social media. 1.4 million people follow her on Instagram.

If you click on this link, money will be withdrawn from your bank account. Learn about it, or you'll be told you weren't informed.

It's crucial to guard against any kind of fraud. Otherwise, fraudsters can defraud you and steal your hard-earned money. Looking at the current times, we've made significant technological advancements. More and more tasks are now done online, not offline as before. Whether it's booking a train ticket or booking a hotel in another country, sending money to someone, or ordering food, many such seemingly innocuous tasks are now easily accomplished. But amidst all this, the risk of fraud has also increased significantly over the years. Numerous cases of a small mistake leading to the withdrawal of all funds from bank accounts have emerged, raising awareness not only about fraud but also understanding how to avoid it. This is especially important because even clicking on a link can make you a victim of fraud. So, let's learn how to avoid these frauds. Avoid this link - Scammers use various methods to defraud people, one of which is sending unsolicited links. Fraudsters send tempting messages containing this link via email, WhatsApp, SMS, social media, etc. Once you click on this link, you become their victim. Therefore, never click on any unsolicited links. What are these unsolicited links? Clicking on these unsolicited links can infect your computer/ laptop, mobile phone, or tablet with viruses, Trojans, ransomware, malware, and other malware. This allows scammers to defraud you and empty your bank account right under your nose. So, never make the mistake of clicking on these links. Phishing attacks also occur. Some links take you to fake websites, but they appear to be genuine. When you enter your banking information, such as your ID, password, debit, or credit card number, on these websites, hackers steal your data and use it to defraud you. Therefore, be cautious. To avoid this, keep these things in mind: Always check the source of any link you receive via email, text, or other messages. Remember not to click on any link in an unknown email, text, or social media message. You can also enter the URL of the original website instead of the link you received and visit it, thus protecting you from fraud.

Loud DJ music can be fatal, risking heart attack and brain hemorrhage; take precautions.

Have you ever considered that loud DJ music can be fatal? Every year, cases of death due to loud DJ music are reported. Let's explore how loud music affects our health. This festive season is filled with hustle and bustle. The sound of DJs and loudspeakers resonates everywhere, but have you ever considered that loud DJ music can be fatal? Recently, a similar case came to light in Ranchi, where a two-month-old girl died, allegedly due to the loud DJ music. The girl's father has filed a complaint with the police station. According to local media reports, during a religious event, a loud DJ was playing near the victim's home, disturbing the children and adults in the house. The organizers were requested to lower the volume, but they ignored the request. The girl's health deteriorated due to the loud music, leading to her death. Reports indicate that she died of a heart attack. The question now is how does loud DJ music affect our health, and under what circumstances can it be fatal? Deaths due to loud DJ music are not the first instance where loud DJ music has proven fatal. Such cases are numerous. Last September, a 40- year-old man in Raipur suffered a brain hemorrhage due to loud DJ music. Doctors were astonished by this unusual case, as the man had no history of high blood pressure or other medical conditions. The loud music caused the patient to suddenly feel dizzy and faint. Doctors later confirmed a brain hemorrhage. The following month, a 13-year-old boy died while dancing to a DJ during a performance in Madhya Pradesh. Doctors determined that the loud music had triggered a heart attack. In September 2023, two people died from exposure to high- decibel sound during the Ganesh immersion procession in Sangli. Why are loud DJs so dangerous? Health experts say that loud DJ music or very high-decibel music not only affects the ears, but also directly impacts the heartbeat. Heartbeats are controlled by the nervous system (sympathetic and parasympathetic systems). When a loud sound suddenly reaches the ears, the body activates a stress response. This means the body interprets it as a danger signal and rapidly releases adrenaline. This causes the heart to beat faster, blood pressure can suddenly rise, and persistent exposure to this condition increases the risk of arrhythmia (irregular heartbeat). All of these conditions can lead to a heart attack. Sounds louder than 85 decibels are dangerous. Research shows that prolonged exposure to sounds louder than 85 decibels increases the risk for cardiovascular health. DJ sound levels often reach 100-120 decibels, which is considered extremely dangerous. This has a greater impact on people with pre-existing conditions like high blood pressure, a history of heart attack, or diabetes. Loud noise can cause blood vessels to constrict, putting sudden strain on the heart and doubling the risk of a heart attack. Brain veins can burst - Studies show that high-decibel sound is harmful to both the heart and the brain. It triggers a stress response, increasing blood pressure. This can lead to hardening and rupture of arteries. A 2024 case reported in India revealed that extremely loud DJ music caused brain bleeding in a person with no prior health problems. Research also shows that loud noise can increase the risk of brain hemorrhage.

Why did Rhea Chakraborty perform the Naagin dance in jail? She said, "Most women are innocent..."

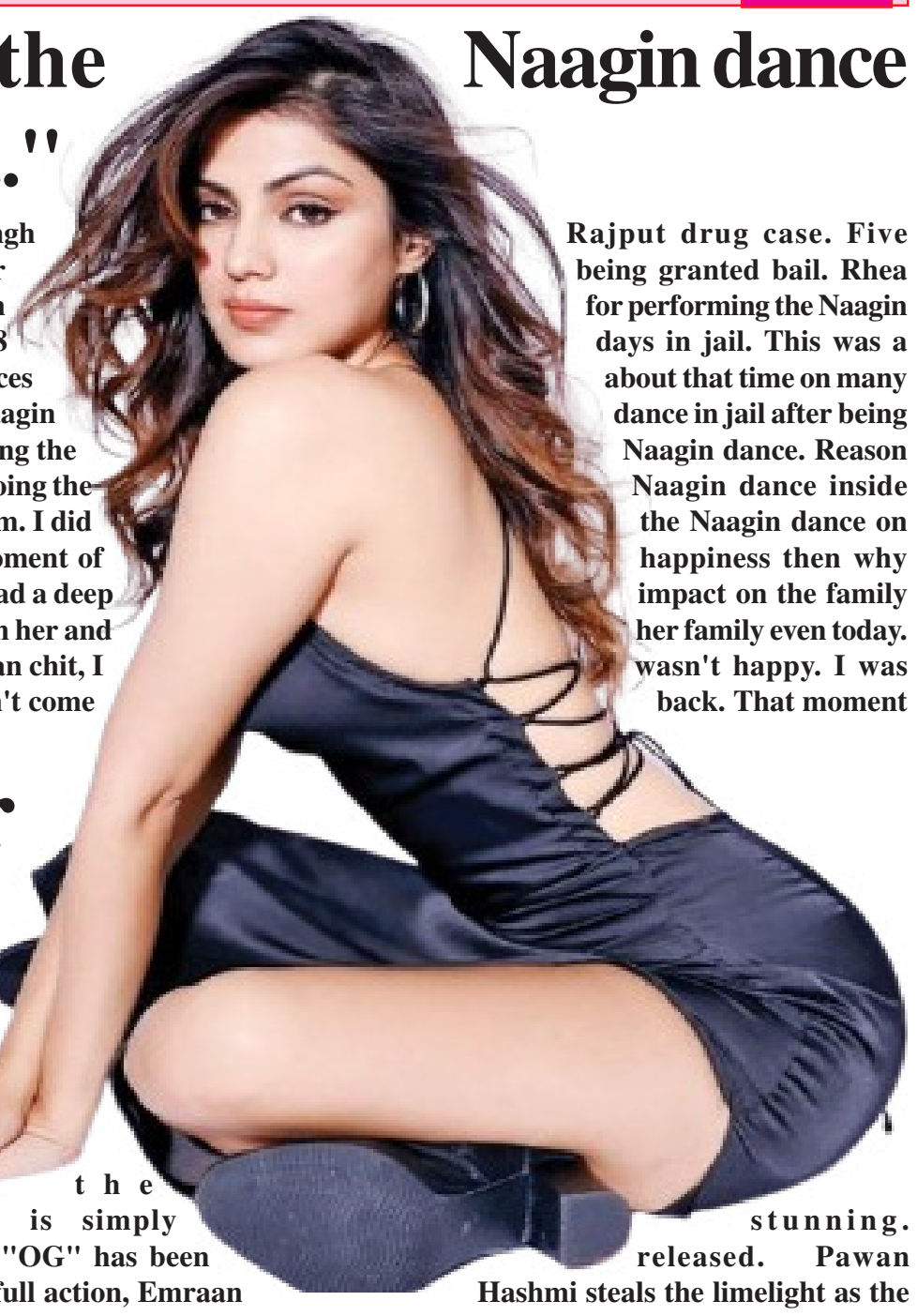

The year 2020 was a very difficult year for Bollywood actress Rhea Chakraborty. She was jailed in the Sushant Singh Rajput drug case. Five years later, Rhea has once again recalled her days in jail and explained why she performed the Naagin dance after being granted bail. Rhea Chakraborty had to go to jail. Rhea Chakraborty was embroiled in the Sushant case. Rhea explained the reason for performing the Naagin dance. In 2020, Rhea Chakraborty was jailed in the Sushant Singh Rajput drug case. She spent approximately 28 days in jail. This was a very difficult time for her and her family. Five years have passed since then, but Rhea continues to share her experiences about that time on many occasions. Recently, Rhea Chakraborty once again recalled her days in jail and revealed that she performed the Naagin dance in jail after being granted bail. Yes, the actress herself has revealed this in her recent interview. She has also told the reason for doing the Naagin dance. Reason for doing the Naagin dance in jail In a conversation with NDTV, Rhea Chakraborty has explained the reason for doing the Naagin dance inside the jail. She says that her fellow inmates gave her comfort in the jail. She said, "People asked me to dance for them. I did the Naagin dance on the day I got bail. I thought I don't know when I will be able to meet them again and if I can give them a moment of happiness then why not? Most of the women in jails with such undertrial prisoners are innocent and they have no hope." Drug case had a deep impact on the family Rhea Chakraborty further revealed how the stain of Sushant Singh Rajput's drug case has not been removed from her and her family even today. She said, "People said he didn't go because of you. I always knew I didn't do anything, but even when I got a clean chit, I wasn't happy. I was only happy for my parents and their respect. But we are no longer the happy family we were before; all that can't come back. That moment changed the entire life of all of us."

The wait is over! The trailer for Pawan Kalyan's most-awaited film, "OG," has finally been released

The trailer features Pawan Kalyan in full action. His entry is explosive, accompanied by a strong BGM. Meanwhile, Emraan Hashmi is set to rock the theaters as the villain. His look in the trailer is simply stunning.

The trailer for "OG" has been released. Pawan Kalyan seen in full action, Emraan Hashmi steals the limelight as the villain. The much-awaited trailer for Pawan Kalyan's film "They Call Him OG" has finally been released. The audience has been waiting for it for a long time, and finally, it's over. Directed by Sujeeth, Pawan Kalyan and Emraan Hashmi are dazzling in their gangster looks. How is the trailer? The trailer is packed with powerful action and a powerful BGM. Priyanka and Arul Mohan's chemistry as Kanmani is stellar. There was a special scene in the trailer where Kanmani asks Pawan Kalyan about the tattoos on his hands. Following this scene, fans began searching for the meaning of these tattoos on social media, sparking a discussion. Fans decoded Pawan Kalyan's tattoos, which revealed that Pawan's character, Ojas Gambhira, is about to live a normal life, away from Bombay, using his power and fire. The Bombay flashback scene in the trailer shows Pawan's past being hidden. Fans are speculating that these tattoos represent Pawan's goals and personal commitments. Pawan's character is about to leave his old life behind and start a new one. Emraan Hashmi's stunning look: Fans have been waiting for the trailer ever since Emraan's look from the film was revealed. Now, Emraan Hashmi has created a stir with his look in the trailer. He gives off a retro vibe in a gangster look. Imran Khan is ready to make a splash as the villain opposite Pawan Kalyan. The film's music is composed by Thaman S, and Pawan Kalyan has lent his voice to the track "Vashi Yo Vashi." The film will be released on September 25th in all South Indian languages, as well as in Hindi. The Telangana premiere will be held on September 24th at 9 pm, with tickets priced at ?800.

Waheeda Rehman was enraged by the demand to kiss a snake during filming; the film later became a superhit.

Waheeda Rehman: There are many stories related to films that surprise us. One such incident involves actress Waheeda Rehman, when the director asked her to kiss a snake during the shooting of a film. The actress had a heated argument with the director about this, although the film later became a superhit. Waheeda Rehman had a conflict regarding a snake during filming. This incident occurred during the English version of Guide - the film was a superhit. Directed by Vijay Anand, Guide was based on the novel by R.K. Narayan. In this film, Dev Anand played the role of a tourist guide named Raju, whose life takes a turn after meeting Rosie (Waheeda Rehman), who is trapped in a strained marriage. This film is considered one of the greatest classics of Indian cinema. But there's a rather interesting story related to this: during the shooting, the director asked Waheeda Rehman to kiss a snake. Waheeda Rehman herself revealed this demand. She said, "My favorite dance is the snake charmer's dance from 'Guide.' When the film was being made in English, the director said to me in the middle of the dance, 'You get so lost in the dance that you kiss the snake's hood.' At first, I thought it was a joke, but he really wanted it. He said, 'You're an Indian girl, why can't you do that?' I said, 'Being Indian doesn't mean we play with snakes.' He said, 'No, I thought of this shot because when you do it, when it comes on the big screen, there will be a lot of applause.'" Waheeda Rehman argued - this led to a heated debate between the director and Waheeda. Waheeda explained to the director that he was mistaken about India. Catching a snake and kissing it on the mouth were two different things. Shortly after, news spread on the set that the snake had escaped from the crate, and the director was the first to leave. When he returned, Waheeda asked, "Why did you run away?" The director replied, "I'm afraid of snakes, I'm not Indian." Waheeda then replied, "I'm afraid of snakes, just like you." The director then understood, removed the scene, and re-shot the song. The film was a superhit. The English version of the film was directed by Polish-American filmmaker Tad Danielewski. The film is known for S.D. Burman's music, which includes timeless songs like "Aaj Phir Jeene Ki Tamanna Hai." It is renowned for its story, acting, and excellent cinematic experience. Guide proved to be a superhit. Released in 1965, it starred actors like Dev Anand, Waheeda Rehman, Leela Chitnis, Anwar Hussain, Rashid Khan.